सान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 03 | अंक - 19 | जौनपुर, गुरूवार, 05 सितम्बर 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव के पिता का निधन

मध्यप्रदेश, एजेंसी। बमुख्यमंत्री मोहन यादव के पिता पूनम चंद यादव का लंबी बीमारी के बाद मंगलवार शाम निधन हो गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पूनम चंद यादव 100 वर्ष के थे। अधिकारियों ने बताया कि उनके तीन बेटे और दो बेटियां हैं। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री की मां का पहले ही निधन हो चुका है। पिता के निधन की खबर मिलते ही मुख्यमंत्री कैबिनेट बैठक में भाग लेने के बाद, उज्जैन के लिए रवाना हो गए। अंतिम संस्कार उज्जैन में क्षिप्रा नदी के तट पर किया जाएगा। शिवराज सिंह चौहान, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह और कमलनाथ, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा और पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव सहित अन्य लोगों ने उनके (मुख्यमंत्री मोहन यादव के पिता के) निधन पर शोक व्यक्त किया। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भी शोक व्यक्त किया है। अपने शोक संदेश में शर्मा ने दिवंगत आत्मा को शांति मिलने और शोक संतप्त परिवार को शक्ति देने की ईश्वर से प्रार्थना की।

माफिया ने सिर उठाया तो मिट्टी में मिला देंगे - सीएम

प्रयागराज, संवाददाता। फूलपुर में पहुंचे सीएम योगी ने सपा मुखिया अखिलेश यादव पर जमकर निशाना साधा। कहा कि वह पीडीए के नाम पर जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं। सत्ता में आएंगे तो चाचा और भतीजा वसूली में लिप्त हो जाएंगे। अपने शासन काल में टीपू माफिया को गले का हार बनाकर फिरते थे। योगी ने कहा कि बुलडोजर चलाने के लिए हिम्मत चाहिए। उन्होंने फिर कहा कि माफिया अगर सिर उठाएगा तो मिट्टी में मिला देंगे। अखिलेश पर निशाना साधते हुए कहा कि टीपू फिर सुल्तान बनने का प्रयास कर रहे हैं। सपा शासन काल में गरीब राजू पाल की निर्ममता से हत्या कर दी गई। इससे

लोगों की रूह कांप गई थी। सपा की सरकार को माफिया संचालित करते थे। जनपद प्रयागराज में 5,000 से अधिक युवाओं को नियुक्ति–पत्र वितरण, विद्यार्थियों को स्मार्टफोन/टैबलेट वितरण, विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत लाभार्थियों को ऋण वितरण व सहायता राशि का अंतरण एवं 407 विकास परियोजनाओं के लोकार्पण शिलान्यास कार्यक्रम में सीएम योगी ने फूलपुर लोकसभा सीट से प्रवीण सिंह पटेल को सांसद निर्वाचित करने पर क्षेत्र की जनता के प्रति आभार जताया। कहा कि फूलपुर में सर्वांगीण विकास होगा।

टीपू सुल्तान बनने का प्रयास कर रहे सपा मुखिया

फूलपुर में सीएम योगी आदित्यनाथ के निशाने पर सिर्फ सपा मुखिया अखिलेश यादव ही रहे। उनका बिना नाम लिए उन्होंने टीपू सुल्तान के माध्यम से निशाना साधा। कहा कि सपा शासनकाल में जिस तरह से प्रयागराज सहित पूरे यूपी में जंगलराज कायम था यह किसी से छिपा नहीं है। टीपू सुल्तान माफिया के सामने नाक रगड़ रहे थे। जातिवाद के नाम पर जनता को बरगलाने का प्रयास कर रहे हैं। माफियाओं को गले का हार बनाने वाले बुलडोजर क्या चलाएंगे। बुलडोजर चलाने के लिए हिम्मत चाहिए। आज माफिया के कब्जे से भूमि खाली कराकर गरीबों को आवास दिया गया है। कहा कि सुरक्षा सबको देंगे, विकास सबका करेंगे लेकिन किसी ने कानून व्यवस्था को चुनौती दी तो उसको किसी कीमत पर छोड़ेंगे नहीं। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बहन और बेटियों पर हाथ डालने वालों को ऐसी सजा देंगे कि लोग याद रखेंगे। व्यापारियों की सुरक्षा हमारी सरकार में प्राथमिकता पर है। सपा सरकार ने गुंडों, माफिया और दंगाइयों के सामने घुटने टेक दिए थे। फूलपुर विधानसभा क्षेत्र के इफको परिसर में बुधवार को आयोजित रोजगार मेले में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 15448 विद्यार्थियों को टैबलेट एवं स्मार्ट फोन वितरित किया।

2 दिवसीय संयुक्त कमांडर सम्मेलन से तय होगा थियेटर कमांड का रोडमैप

लखनऊ, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान तीनों सैन्य प्रमुखों और सभी कमांडर–इन–चीफ को इस साल की शुरुआत में थिएटर कमांड के साथ सैन्य संरचनाओं में बदलाव के बारे में जागरूक करेंगे। जनरल चौहान आज लखनऊ में पहले संयुक्त संयुक्त कमांडर सम्मेलन को संबोधित करेंगे, वहीं रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और स्थानीय सांसद कल सशस्त्र बलों के प्रमुखों और शीर्ष कमांडरों को संबोधित करेंगे। तीनों सेनाओं के शीर्ष कमांडरों से लेकर अत्याधुनिक स्तर तक के साथ विस्तृत चर्चा के बाद, सीडीएस चौहान के पास तीनों थिएटर कमांड का खाका तैयार है और वह नरेंद्र मोदी सरकार की अंतिम मंजूरी का इंतजार कर रहे हैं। लखनऊ में स्थित होगी। पश्चिमी थिएटर कमांड इस्लामिक गणराज्य पाकिस्तान के खिलाफ परिचालन भूमिका के साथ जयपुर में स्थित होगी और समुद्री थिएटर कमांड हिंद महासागर में परिचालन भूमिका के साथ तिरुवनंतपुरम में स्थित होगी और इसमें भारत के तटीय क्षेत्र शामिल होंगे। भले ही सशस्त्र बल आसन्न बदलाव से घबराए हुए हैं, लेकिन परिचालन स्तर पर तीनों सेवाओं में तालमेल बिठाने और थल सेना, नौसेना और वायु सेना के बीच एकजुटता पैदा करने की सख्त जरूरत है।

ग्रामीण क्षेत्र में कृषि से जुड़े स्टार्टअप को बढ़ावा देगी सरकार – शिवराज सिंह चौहान

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने कृषि क्षेत्र के विकास के लिए ग्रामीण स्तर पर इससे जुड़े स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए मंगलवार को एग्रीश्योर योजना का शुभारंभ किया। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने यहां योजना की लॉन्चिंग के मौके पर कहा कि किसानों की समृद्धि से ही देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। उन्होंने बताया कि एग्रीश्योर फंड यह सुनिश्चित करेगा कि प्रत्येक किसान को फलने–फूलने के लिए आवश्यक तकनीकी सहायता मिले। खेती देश की रीढ़ है। यह किसान के जीवन का आधार है।

उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य प्रत्येक किसान को सशक्त बनाना है और एग्रीश्योर फंड का लॉन्च कृषि क्षेत्र के प्रति हमारे अटूट समर्पण का प्रमाण है।

सरकार उत्पादन बढ़ाने, किसानों के लिए उत्पादन की लागत कम करने, लाभकारी मूल्य, फसल विविधीकरण, कटाई के बाद होने वाले नुकसान को रोकने और फसल बीमा के माध्यम से फसल नुकसान के दौरान सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयास करेगी। एग्रीश्योर योजना के तहत 750 करोड़ रुपये का फंड बनाया जाएगा। इसका इस्तेमाल ग्रामीण इलाकों में कृषि क्षेत्र के स्टार्टअप को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए किया जाएगा। इसमें केंद्र सरकार और नाबार्ड 250–250 करोड़ रुपये का योगदान देगा।

हमारा पहला कदम जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा वापस दिलाना होगा - राहुल गांधी

जम्मू–कश्मीर, एजेंसी। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, पहली बार हिंदुस्तान के एक राज्य को केंद्र शासित प्रदेश बनाकर लोगों के अधिकार छीने गए। हिंदुस्तान के इतिहास में ऐसा पहले कभी नहीं हुआ है। सबसे पहले जम्मू–कश्मीर को स्टेटहुड का दर्जा वापस करना होगा, क्योंकि सिर्फ आपका राज्य ही नहीं छीना गया है, आपसे आपके अधिकार, आपकी संपत्ति, सब कुछ छीना जा रहा है। 1947 में हमने राजाओं को हटाकर लोकतांत्रिक सरकार बनाई, हमने देश को संविधान दिया। आज जम्मू–कश्मीर में एक राजा बैठा है, उसका नाम एलजी है। लेकिन, वो राजा है जो आपकी संपत्ति आपसे छीनकर बाहर के लोगों को दे रहा

है। राहुल गांधी ने भाजपा पर प्रहार करते हुए कहा, हमारा पहला कदम जम्मू–कश्मीर को राज्य का दर्जा वापस दिलाना होगा, हम चाहते थे कि चुनाव से पहले आपको राज्य का दर्जा मिले और फिर चुनाव हों, लेकिन भाजपा यह नहीं चाहती। भाजपा चाहे या ना चाहे, इंडिया गठबंधन इतना दबाव डालेगी कि जम्मू–कश्मीर को राज्य का दर्जा देना ही होगा। रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस सांसद एक बात तो मान लीजिए कि यहां कांग्रेस पार्टी की अलायंस की सरकार आने वाली है। यह निश्चित है और यह होने जा रहा है। हमारा पहला काम सभी सरकारी रिक्तियों को भरना और आयु सीमा को 40 साल करना होगा। हम दैनिक वेतन भोगियों को नियमित और स्थायी करेंगे और उनकी आमदनी बढ़ाएंगे। बता दें कि कांग्रेस ने जम्मू–कश्मीर विधानसभा चुनाव में नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ गठबंधन किया है। इसके तहत नेशनल कॉन्फ्रेंस 51 और कांग्रेस 32 सीट पर चुनाव लड़ेगी। 90 सदस्यीय जम्मू– कश्मीर विधानसभा के लिए तीन चरणों में मतदान होंगे। पहले चरण के लिए 18 सितंबर, दूसरे चरण में 25 सितंबर और तीसरे चरण में 1 अक्टूबर को वोट डाले जाएंगे। जबकि, वोटों की गिनती 8 अक्टूबर को होगी। घाटी में साल 2014 के बाद से यह पहला विधानसभा चुनाव होगा, क्योंकि 2019 में आर्टिकल–370 को निरस्त कर दिया गया था। इसके बाद से जम्मू–कश्मीर में विधानसभा चुनाव नहीं हुए हैं।

मनीष सिसोदिया ने दिखाया दम

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदपी पार्टी हरियाणा में लगातार चुनावी प्रचार में जुटी है। आप नेता मनीष सिसोदिया ने आज सोनीपत में एक रोड शो किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि मैं हरियाणा के लोगों से केवल यही कहना चाहता हूं कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को एक मौका दीजिए।श वह हरियाणा का बेटा है। उनका जन्म यहीं हुआ था। उन्होंने कहा कि जब लोगों ने उन्हें मौका दिया तो वह दिल्ली गए और सीएम बने। बीजेपी ने अपने 10 साल के शासन के दौरान जनता को बेवकूफ बनाया। कांग्रेस के साथ गठबंधन के सवाल पर सिसोदिया ने कहा कि बीजेपी को हराने के लिए जो भी जरूरी होगा हम करेंगे। अरविंद केजरीवाल जल्द ही (जेल से बाहर) आने वाले हैं, तब हम फैसला करेंगे। गन्नौर में उन्होंने कहा कि ये चुनाव किसी नेता या पार्टी का नहीं है। ये चुनाव आपके बच्चों के अच्छे स्कूल, आपके परिवार के लिए अच्छे अस्पताल, रोजगार और बिजली–पानी के लिए है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के लोगों ने हरियाणा के बेटे को मौका दिया तो उन्होंने दिल्ली में कमाल कर दिया, इस बार आप हरियाणा में भी केजरीवाल जी को मौकघ दीजिए। लोगों ने हरियाणा के बेटे केजरीवाल को मौका दिया तो उन्होंने दिल्ली के स्कूल और अस्पताल अच्छे कर दिये, बिजली के बिल ंमतव कर दिये। पंजाब में मौकघ दिया तो वहां भी लोगों के बिजली बिल ंमतव आ रहे हैं। इस बार आप भी स्कूल और अस्पतालों के लिए एक मौका केजरीवाल जी को दीजिये। कांग्रेस ने मंगलवार को कहा कि वह हरियाणा में गठबंधन के लिए आम आदमी पार्टी के साथ बातचीत कर रही है।

मणिपुर के लोगों की रक्षा करने में बुरी तरह विफल पीएम - मल्लिकार्जुन खड़गे

नई दिल्ली, एजेंसी। एक ओर जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विदेश दौरे पर हैं वहीं, कांग्रेस मणिपुर के बहाने उनपर लगातार निशाना साध रही है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मोदी पर मणिपुर के लोगों की रक्षा करने में ष्बुरी तरह विफलष होने का आरोप लगाया और कहा कि राज्य में अशांति भारत के लोगों के साथ उनके ष्विश्वासघातष की लंबी सूची में एक और कड़ी है। खड़गे ने लंबे एक्स पोस्ट में लिखा कि मणिपुर को हिंसा की चपेट में आए 16 महीने हो गए हैं, लेकिन आपकी श्डबल इंजनश सरकार ने इसे कम करने के लिए कुछ नहीं किया है। ऐसा कोई उपाय नहीं किया गया है जो सभी समुदायों के लोगों में शांति और सामान्य स्थिति सुनिश्चित करने के लिए विश्वास पैदा करे। खड़गे ने सवाल करते हुए कहा कि मणिपुर के मुख्यमंत्री ने इसे उजागर क्यों किया और

आपके द्वारा उन्हें बर्खास्त क्यों नहीं किया गया? क्या वह वास्तव में राज्य मशीनरी को पंगु बनाने और अप्रिय बयान देने के लिए दोषी नहीं है, जो अब सार्वजनिक डोमेन में दर्ज किया गया है? उस गोली से बेशर्मी से बचने के लिए इस्तीफे का नाटक रचा गया। उन्होंने आगे पूछा कि मोदी जी, आप इतने बेशर्म क्यों हो गए हैं? आपने राज्य में कदम रखने की जहमत क्यों नहीं उठाई? आपके अहंकार के कारण ही सभी समुदाय के लोगों को परेशानी हो रही है। आपकी सरकार की अक्षमता और बेशर्मी एक मौलिक शांति प्रक्रिया भी शुरू नहीं कर पाई है। इसके साथ ही कांग्रेस सांसद ने सवाल किया कि हाल ही में इम्फाल पश्चिम जिले में ड्रोन हमलों के माध्यम से बमबारी हुई है और ऐसा लगता है कि केंद्रीय गृह मंत्री गाड़ी चलाते समय सो रहे हैं। यहां तक कि आपके अपने बीजेपी नेताओं और उनके घरों पर भी हमले हो रहे हैं. क्या राज्यपाल को इसलिए हटा दिया गया क्योंकि उन्होंने राहत शिविरों की दयनीय स्थिति के खिलाफ आवाज उठाई थी?

पुलिस बल में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण को दी मंजूरी

राजस्थान, एजेंसी। राजस्थान सरकार ने महिलाओं को लेकर बड़ा फैसला किया है। दरअसल, कैबिनेट बैठक में पुलिस बल में महिलाओं के लिए 33ः आरक्षण की मंजूरी दी गई है। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व वाली राजस्थान सरकार ने बुधवार को सचिवालय में कैबिनेट बैठक आयोजित की थी। पुलिस बल में महिलाओं के लिए 33ः आरक्षण की मंजूरी के अलावा सौर ऊर्जा विकास के लिए भूमि का आवंटन को लेकर फैसला भी इसमें शामिल है। उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा और मंत्री जोगाराम पटेल ने मीडिया को नतीजों की जानकारी दी। पुलिस विभाग में महिलाओं के लिए 33ः आरक्षण की सुविधा के लिए राजस्थान पुलिस अधीनस्थ सेवा नियम, 1989 में संशोधन किया गया। मंत्री जोगाराम पटेल ने महिलाओं को सशक्त बनाने और राज्य की कानून प्रवर्तन एजेंसियों के भीतर लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। टिकाऊ ऊर्जा उत्पादन को बढ़ाने के लिए कैबिनेट ने सौर ऊर्जा परियोजनाओं के लिए भूमि आवंटित की। इस पहल का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के उपयोग को बढ़ावा देते हुए किसानों और आम जनता को पर्याप्त बिजली मिले। पैरालिंपिक और अन्य खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले एथलीटों के लिए अतिरिक्त आरक्षण की भी घोषणा की। कर्मचारी कल्याण के लिहाज से कैबिनेट ने राज्य कर्मचारियों के लिए ग्रेच्युटी और डेथ ग्रेच्युटी को 20 लाख रुपये से बढ़ाकर 25 लाख रुपये करने की मंजूरी दे दी।

त्रिपुरा के दो उग्रवादी समूहों के साथ शांति समझौते पर हुए हस्ताक्षर - अमित शाह

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा और अन्य

की मौजूदगी में गृह मंत्रालय में भारत सरकार, त्रिपुरा सरकार, एनएलएफटी (नेशनल लिबरेशन फ्रंट ऑफ त्रिपुरा) और एटीटीएफ (ऑल त्रिपुरा टाइगर फोर्स) के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस दौरान गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि त्रिपुरा में हिंसा समाप्त करने के लिए केंद्र, राज्य सरकार और दो उग्रवादी समूहों के बीच शांति समझौते पर हस्ताक्षर हुए। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने पूर्वोत्तर में अब तक हुए सभी शांति समझौतों को लागू किया है।

शाह ने कहा कि यह हम सभी के लिए खुशी की बात है कि 35 वर्षों से चल रहे संघर्ष के बाद आप हथियार छोड़कर मुख्यधारा में शामिल हो गए हैं और संपूर्ण त्रिपुरा के विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी जब से देश के प्रधानमंत्री बने हैं तब से उन्होंने शांति और संवाद के जरिए सक्षम और विकसित पूर्वोत्तर का विजन देश के सामने रखा है। पूर्वोत्तर के लोगों और दिल्ली के बीच काफी दूरी थी। उन्होंने सड़क, रेल और हवाई संपर्क के माध्यम से न केवल इस दूरी को मिटाया बल्कि लोगों के दिलों के बीच की दूरियां भी मिटाईं। गृह मंत्री ने कहा कि यह समझौता पूर्वोत्तर के लिए 12वां और त्रिपुरा से जुड़ा तीसरा समझौता है।

अब तक लगभग 10,000 उग्रवादियों ने आत्मसमर्पण कर दिया है, हथियार छोड़ दिए हैं और मुख्यधारा में शामिल हो गए हैं। उन्होंने कहा कि आज, एनएलएफटी और एटीटीएफ के आत्मसमर्पण और समझौते के साथ, लगभग 328 से अधिक सशस्त्र कैडर मुख्यधारा में शामिल हो जाएंगे। त्रिपुरा के सीएम माणिक साहा ने कहा कि मैं पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र में शांति, समृद्धि और सद्भावना का माहौल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए एचएम अमित शाह का आभार व्यक्त करना चाहता हूं। उन्होंने कहा कि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और एचएम अमित शाह की सक्रिय पहल के तहत, पिछले 10 वर्षों में पूर्वोत्तर में कई जटिल मुद्दों को हल करने के लिए एक दर्जन शांति समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए हैं, जिनमें से अकेले त्रिपुरा के लिए 3 हैं। उन्होंने कहा कि यह बहुत संतोष की बात है कि एनएलएफटी और एटीटीएफ के सदस्यों ने हमारे प्रधानमंत्री के नेतृत्व में विकास यात्रा में भाग लेने के लिए मुख्यधारा में शामिल होने का फैसला किया है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व और हमारे गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में त्रिपुरा के सभी लोगों का भविष्य उज्ज्वल है।

कोरोना का ऐसा टीका लगवाया, जिसकी वजह से चलते–फिरते मर रहे लोग – सीएम हेमंत सोरेन

रांची, एजेंसी। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कोविड टीकाकरण को लेकर केंद्र सरकार पर बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार ने कोरोना के दौरान देश में करोड़ों लोगों को ऐसा टीका लगवाया, जिसका दुष्प्रभाव साफ दिख रहा है। उन्होंने कहा कि आज चलते–फिरते लोगों की मौत हो जा रही है। बुजुर्गों को तो छोड़िए, स्वस्थ युवा भी देखते–देखते मौत का शिकार हो रहे हैं। मुख्यमंत्री मंइयां सम्मान योजनाश की लाभार्थियों के बैंक खाते में रकम ट्रांसफर करने के लिए आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा ने कोरोना का टीका बनाने वाली कंपनियों से पैसा–चंदा वसूला और लोगों को जबरन ऐसा टीका लगवाया, जिसकी वजह से सर्दी– खांसी जैसी मामूली बीमारी में भी मौतें हो रही हैं। हमारे एक

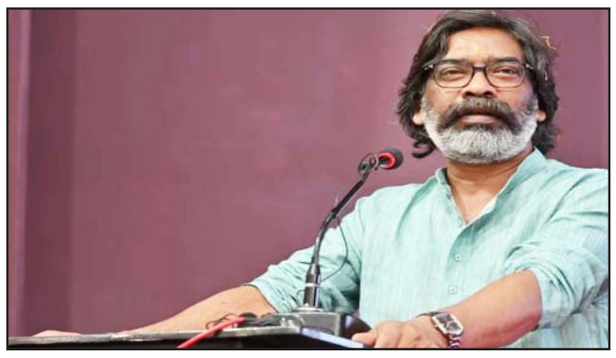

सांसद की पत्नी का 28 साल की उम्र में मामूली बीमारी से निधन हो गया। हमारे यहां कांस्टेबल बहाली के लिए चल रही दौड़ में कुछ युवाओं की जान चली गई है। हम इस मामले की जांच करवा रहे हैं। इसे लेकर विपक्ष के लोग हम पर आरोप लगा रहे हैं। लेकिन, मेरा मानना है कि इन युवाओं की मौत केवल दौड़ लगाने की वजह से नहीं हुई है।

संपादकीय

लगातार लड़ाई की जरूरत

प्रतिशोध की कहानियों ने हमेशा फिल्म निर्माताओं और सिनेमा दर्शकों को आकर्षित किया है। लेकिन 17 फरवरी, 2017 में मलयालम अभिनेत्री के साथ जो हुआ, उससे न केवल मलयालम फिल्म उद्योग, बल्कि पूरा देश सदमे में है। हाल ही में उस घटना के संबंध में जब जस्टिस हेमा कमेटी की रिपोर्ट उजागर हुई, तो एक बार फिर यह मामला सुर्खियों में आ गया।

यह सब तब शुरू हुआ, जब अभिनेत्री शूटिंग के बाद घर लौट रही थी। जिस कार में वह यात्रा कर रही थी, उसे रोककर पांच आदमी उसमें सवार हो गए। अगले दो घंटों तक उन्होंने उसका यौन शोषण किया और इस भयावह घटना को रिकॉर्ड किया। उस हमले के बाद वह अभिनेत्री अपने एक सहकर्मी के घर पहुंची, जिसने उसे रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए प्रेरित किया। इस तरह यह सात साल पुरानी कहानी शुरू हुई, जो अब भी सुर्खियों में है और फिल्म जगत की चमक–दमक के पीछे की अनैतिकता को उजागर कर रही है, क्योंकि मलयालम सिनेमा की और भी महिलाओं ने साहस जुटाया और अपने स्तब्ध कर देने वाले कटु अनुभवों के साथ आगे आईं। यह आंदोलन विकसित और प्रगतिशील माने जाने वाले मलयालम फिल्म उद्योग के बारे में बहुत कुछ बताता है। लेकिन यह मानना भोलापन होगा कि अन्य उद्योगों में ऐसा नहीं होता, जिसमें हॉलीवुड भी शामिल है, जिसे प्रगतिशील मूल्यों वाला फिल्मोद्योग माना जाता है। हॉलीवुड में मीटू आंदोलन ने इस उद्योग के सबसे कायर और कामुक लोगों में से एक हार्वे वीनस्टीन के नाम को उजागर किया, जो अब अपने अपराधों के लिए जेल में है। फिर भी दशकों तक वह वैश्विक मनोरंजन उद्योग का चहेता था, उसने ऑस्कर पुरस्कार जीते और खूबसूरत अभिनेत्रियां उसके साथ थीं। यह सब तब हो रहा था, जबकि इस व्यवसाय के अंदरूनी लोग उसकी गतिविधियों और शोषण के बारे में जानते थे। अक्सर डब्ल्यूसीसी (मलयालम सिनेमा में बहादुर महिलाओं द्वारा स्थापित संगठन) ने बताया है कि कैसे पुरुषों का एक समूह शिकारी की तरह काम करता है और वे एक–दूसरे को बचाते हैं। यह समूह इतना शक्तिशाली है कि जिन महिलाओं ने इस मुद्दे को उठाया है, उन्हें काम करने से प्रतिबंधित कर दिया गया है और उन्हें मुश्किल से काम मिल रहा है। कल्पना कीजिए कि यह ऐसी स्थिति है, जिसमें कुछ भी छिपा हुआ नहीं है। वर्ष 2017 में हुए उस क्रूर अपराध की प्रेरणा यह थी कि कथित तौर पर अभिनेत्री सुपरस्टार दिलीप की पूर्व पत्नी की करीबी दोस्त थी, जिसे उसने अपने विवाहेत्तर संबंध के बारे में बताया, जिसके कारण तलाक हो गया। आरोप है कि दिलीप को लगता था कि पूर्व पत्नी से तलाक में इस अभिनेत्री का हाथ है। इसलिए वह गुस्से से आगबबूला हो गया और उसने बदला लेने की ठान ली। यह एक सी ग्रेड फिल्म की पटकथा की तरह लगता है, फर्क सिर्फ इतना है कि हमला वास्तव में हुआ था और चौंकाने वाली यह घटना याद दिलाती है कि फिल्म उद्योग में पुरुष वर्ग न केवल बॉक्स ऑफिस पर, बल्कि फिल्म उद्योग के अंधेरे हिस्से में भी हावी है। हाल ही में कन्नड़ सुपरस्टार दर्शन पर एक युवा प्रशंसक, जिसने उसकी प्रेमिका को अश्लील संदेश भेजा था, की हत्या का आरोप लगा और उसे गिरफ्तार कर लिया गया। वह अब जेल में है और हाल ही में कुर्सी पर आराम से बैठकर सिगरेट पीते हुए उसकी तस्वीर सामने आई थी। यह आरोप लगाया गया है कि जिस पिटाई के कारण उस व्यक्ति की मौत हुई, वह दर्शन के आदेश पर उसके श्प्रशंसकोंश द्वारा की गई थी। फिर से अधिकार की एक भ्रामक भावना और यह धारणा पसरी कि दुनिया और विशेष रूप से महिलाएं उनके इशारों पर नाचने के लिए उपलब्ध हैं। लेकिन इस तरह के खुलासे हमें कहां ले जाएंगे? बेशक ऐसी घटनाओं की अभी बाढ़ नहीं आई है और ऐसी घटनाएं कभी–कभार ही सामने आती हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि यह शोषण अन्य फिल्म उद्योगों में नहीं होता है, जिसमें सबसे हाई प्रोफाइल बॉलीवुड भी शामिल है। अब तक, यौन शोषण की रिपोर्ट के मामलों को गॉसिप या विवादास्पद महिलाओं द्वारा ध्यान आकर्षित करने का हथकंडा बताकर खारिज कर दिया गया है। हालांकि, इसमें बदलाव आना तय है। मीटू के बाद पहली बार, जो भारत में असमय खत्म हो गया, ऐसा लगता है कि इन प्रथाओं पर लगाम लगाने की उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है और जब यह बांध टूटेगा, जैसा कि मलयालम फिल्म उद्योग में हुआ है, तो जिन लोगों को हम आम जनता ने आदर्श के रूप में सम्मान दिया है, उनमें से कई लोगों की असली पहचान सामने आ जाएगी। हालांकि यह एक ऐसी लड़ाई है, जिसमें विवेकवान पुरुषोंध्भी को शामिल होना चाहिए, क्योंकि अगर पुरुष समस्या का हिस्सा हैं, तो वे समाधान का भी हिस्सा हैं। इस बात से इन्कार नहीं किया जा सकता कि एक समाज के रूप में हम आज भी पुरुष प्रधान हैं, और फिल्म उद्योग के प्रमुख सदस्यों के रूप में शक्तिशाली पुरुषों को महिलाओं के साथ हाथ मिलाकर सिस्टम को साफ करने की जरूरत है। इस एकजुटता की सार्वजनिक घोषणाओं के साथ–साथ इस बात पर भी जोर दिया जा सकता है कि वे जिस फिल्म सेट पर काम करते हों, वह उच्च दिशा–निर्देशों का पालन करता हो और महिलाओं के लिए कार्यस्थल सुरक्षित हो। अगर वीएफएक्स और वैनिटी वैन पर भारी बजट खर्च किया जा सकता है, तो महिलाओं के लिए स्वच्छ और सुलभ शौचालय, आराम करने की जगह और सुरक्षित यात्रा के लिए बजट क्यों नहीं बनाया जा सकता? मैं चाहे जितना भी यह मान लूं कि मैं एक सशक्त महिला हूं।

राष्ट्रीय दलों को महिला सुरक्षा और त्वरित न्याय को प्राथमिकता

आदित्य

अब समय आ गया है कि राष्ट्रीय विपक्षी दलों को हिंडनबर्ग रिपोर्ट जैसे मुद्दों पर भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार को घेरने के अपने राजनीतिक एजेंडे से विराम लेना चाहिए और 9 अगस्त को कोलकाता में ड्यूटी के दौरान एक प्रशिक्षु डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या जैसे मुद्दों को उठाना चाहिए, जिसने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया, मॉलीवुड ब्लूज जिसने मलयालम फिल्म उद्योग को हिलाकर रख दिया, तेलुगु फिल्म उद्योग में श्मी टूश रिपोर्ट को फिर से खोलने की मांग और कृष्णा जिले में एसआर गुडलावलेरु इंजीनियरिंग कॉलेज। ये सभी मुद्दे महिलाओं के उत्पीड़न से संबंधित हैं। राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा सहित सभी राजनीतिक दलों को भूलने की बीमारी से बाहर निकलने और अकथनीय यादों को याद करने की जरूरत है, चाहे वह निर्भया का मामला हो, मध्य प्रदेश में पांच आदिवासी लड़कियों के साथ बलात्कार, कुकी जेडओ समुदायों के खिलाफ यौन हिंसा या मई 2014 में

यूपी के बदायूं में दो नाबालिगों के साथ सामूहिक बलात्कार और हत्या हो और इस बात पर चर्चा करनी चाहिए कि पीड़ितों और उनके परिवारों को किस तरह का न्याय मिला और कितने समय में। बलात्कार के कई मामले अभी भी ट्रायल स्टेज में हो सकते हैं। यह एक और बड़ा मुद्दा है जिस पर ध्यान देने की जरूरत है। अपराध और सजा के बीच का बड़ा अंतर चिंता का विषय है। राजनीतिक कार्यपालिका और विपक्ष को पीड़ितों और उनके परिवारों के दर्द का कम से कम 25ः तो महसूस करना ही चाहिए। उन्हें सहानुभूति और सहानुभूति दिखानी चाहिए, न कि राजनीतिक शोर मचाना चाहिए और सरकार पर आरोप लगाना चाहिए कि सत्ता में रहते हुए सरकार अपनी विफलताओं को भूल गई और उन घटनाओं का इस्तेमाल वोट बैंक की राजनीति के लिए करने की कोशिश की। अगर ऐसे मामलों को पूरी गंभीरता से लिया जाता और अगर प्रदर्शनकारी कार्रवाई होती, तो बलात्कार के मामलों में निश्चित रूप से भारी कमी आ सकती थी। मीडिया को भी दोष लेने की जरूरत है। जब तक विरोध और आंदोलन चल रहे हैं, तब तक यह इन मामलों पर ध्यान केंद्रित करता है और फिर किसी और चीज पर चला जाता है और कभी भी अतीत में झांकने और सरकार को यह बताने की जहमत नहीं उठाता कि कैसे न्याय में देरी हो रही है। आंध्र प्रदेश में देखा गया एक और परेशान करने वाला चलन कदंबरी जेठवानी का मामला था, जहां आरोप है कि उन्हें कुछ वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने झूठे मामले में गिरफ्तार किया और पिछली सरकार के शासनकाल में उन्हें और उनके परिवार के सदस्यों को विजयवाड़ा जेल में बंद कर दिया और उन्हें परेशान किया गया। वर्तमान सरकार द्वारा इस मामले की जांच किए जाने के दौरान ही गुडलावलेरु इंजीनियरिंग कॉलेज में छात्रों द्वारा एक बड़ा आंदोलन शुरू हो गया, जिसमें आरोप लगाया गया कि कमरों में छिपे हुए कैमरे लगाए गए थे और लगभग 3000 वीडियो रिकॉर्ड किए गए थे। स्वाभाविक रूप से यह किसी भी छात्रा और उसके माता–पिता के लिए बहुत गंभीर चिंता का विषय होगा। वास्तव में अगर यह सच है तो यह आघात का कारण बन सकता है क्योंकि साइबर अपराध के इन दिनों में, कोई नहीं जानता कि उनका दुरुपयोग कैसे किया जाएगा। लेकिन फिर जब राज्य में एनडीए गठबंधन सरकार ने गहन जांच की, तो पाया गया कि कोई कैमरा नहीं लगाया गया था और अब तक विपक्षी दलों में से कोई भी, जो छतों से चिल्ला रहे हैं, एक भी वीडियो का कोई सबूत देने के लिए आगे नहीं आए हैं। यदि कोई वीडियो है तो यह वास्तव में बहुत गंभीर मुद्दा है। जिम्मेदार किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाना चाहिए और कम से कम संभव समय में कड़ी सजा दी जानी चाहिए। न केवल अपराधी बल्कि स्कूल प्रशासन सहित अपराध में शामिल सभी लोगों को दंडित किया जाना चाहिए। यदि यह कुछ राजनेताओं द्वारा आयोजित किया गया था, तो उन्हें भी सजा मिलनी चाहिए। अगर यह सच नहीं है तो झूठी खबर फैलाकर परेशानी खड़ी करने और छात्रों को मानसिक यातना देने वालों को कड़ी सजा मिलनी चाहिए। इसलिए अब समय आ गया है कि राष्ट्रीय पार्टियां, चाहे एनडीए हो या इंडिया ब्लॉक, महिलाओं के सम्मान की रक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें और इस बात के व्यावहारिक सुझाव लेकर आएं कि व्यवस्था शीघ्र न्याय दिलाए। राष्ट्रीय पार्टियों को महिला सुरक्षा और शीघ्र न्याय को प्राथमिकता देनी चाहिए।

पौधे लगाने की रस्म अदायगी काफी नही

सुरेश

जून की भीषण गर्मी के बाद बारिश आने पर वृक्ष प्रेमी गत वर्षों की भांति पौधे रोपने लगे। लेकिन इस बार भी उनमें यह दिलचस्पी नहीं रही कि उनका रोपा हुआ पौधा आने वाले ग्रीष्मकाल से पहले ही वनाग्नि से बच पाएगा या नहीं? यह सावधानी इसलिए कि इस बार पर्वतीय इलाकों के वनों में लगी आग से लाखों पेड़ जल गए हैं। इसके अलावा, वन्य जीव, जड़ी बूटियां, घास, छोटे–छोटे पौधे, पक्षी आदि के विनाश का तो कोई आंकड़ा ही नहीं है। आग से प्रभावित वनों की जैव–विविधता को बचाने के लिए लोगों ने कई पत्र अपनी राज्य सरकारों को सौंपे हैं, लेकिन बारिश आते ही सारे प्रयास ठंडे बस्ते में चले गए। अतः वन और पर्यावरण के प्रति इस घोर लापरवाही के बाद पेड़ उतने ही लगाने चाहिए, जितना कि इन्सान स्वयं देखभाल करके बचा सकता है। जंगल के बीच में पेड़ लगाकर भगवान भरोसे छोड़ना समय और पैसा, दोनों का नुकसान है। और यह हर वर्ष नर्सरी में उगाए गए पौधों के प्रति भी अन्याय है, लेकिन जो लोग अपनी जिम्मेदारी और देखरेख में पौधरोपण कर रहे हैं, उनके द्वारा रोपे गए पौधे आग और सूखे, दोनों से बच जाते हैं। आंकड़ों के आधार पर यह भी कहा जा रहा है कि लगभग 73,000 प्रजातियों के 30.40 खरब पेड़ दुनिया में मौजूद हैं। लेकिन दूसरी तरफ पता चलता है कि प्रतिवर्ष 15 अरब पेड़ विकास के नाम पर काटे जाते हैं और यह भी बताया जाता है कि इतने ही पौधों का रोपण भी किया जाता है। इसके आधार पर पता चलता है कि प्रति व्यक्ति 400 से अधिक पेड़ धरती पर हैं। यदि यह सच होता, तो वे भीषण तापमान को रोकने में मददगार हो सकते थे। दूसरी ओर, भारत के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल में से 24.62 प्रतिशत क्षेत्र में ही वन हैं, जबकि स्वस्थ पर्यावरण मानक के अनुसार, 33.3 प्रतिशत क्षेत्र में पेड़–पौधे होने चाहिए थे। धरती पर कार्बन को नियंत्रित करने में पेड़ पौधों के अलावा घास की भी अहम भूमिका है। भारत के भूगोल में विविधता के कारण प्राकृतिक वन क्षेत्रों में बहुत अंतर दिखाई देता है।ध्भारत वन स्थिति रिपोर्ट–2021 के अनुसार, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु के वन क्षेत्र में बेहतर सुधार हुआ है और इसके आधार पर अनुमान लगाया जाता है कि यहां प्रति व्यक्ति 28 पेड़ हैं। अरुणाचल प्रदेश में 80 प्रतिशत वन क्षेत्र है, उत्तराखंड में 71 प्रतिशत और राजस्थान में 10 प्रतिशत से भी कम वन क्षेत्र है। इसलिए भारत की वन नीति के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए एक–तिहाई क्षेत्र को वनों के अंतर्गत लाना पड़ेगा। एक व्यक्ति को जीवन काल में 7–8 पेड़ों से प्रतिवर्ष 740 किग्रा ऑक्सीजन मिलती है। हर व्यक्ति एक वर्ष में सिर्फ पांच पेड़ लगाए, उनमें से 75 प्रतिशत भी बचा सके, तो धरती पर ऑक्सीजन की कमी नहीं होगी। ध्यान रहे, पौधा तभी पनपता है, जब उसे लगाते समय गड्ढे में कोई कीट न हो। यदि हो, तो दवाई के छिड़काव के साथ खाद और मिट्टी मिलाकर पौधे लगानेध्चाहिए। धूप से बचाव के लिए समय–समय पर सिंचाईध्जरूरी है। रोपण के समय गड्ढे के चारों ओर 50–100 सेंटीमीटर व्यास के घेरे में खरपतवार हटाए बिना पौधे की वृद्धि रुक सकती है। 18–24 महीने तक निराई और खाद का प्रयोग आवश्यक है। पेड़ आमतौर पर गीली जमीन पसंद करते हैं। यदि इसका ध्यान नहीं होगा, तो रोपे गए पौधे जल्दी सूख जाएंगे।

अनुमान है कि 2050 तक 25 खरब पेड़ ही बचे रहेंगे। फिर तो वैश्विक तापमान वृद्धि को कोई नहीं रोक पाएगा।

इसलिए जरूरी है कि राज्य सरकारें अपने नागरिकों के साथ हर स्तर पर पर्यावरणीय मानकों को बनाए रखने के लिए उचित देखभाल के अनुसार ही पौधरोपण करवाएं। राज्यों को बिना सोचे–समझे जंगल को रातों–रात काटने की प्रवृत्ति पर रोक लगानी पड़ेगी। उदाहरण है कि उत्तर प्रदेश में जहां हर वर्ष करोड़ों पेड़ों का रोपण किया जाता है, वहीं दूसरी तरफ लगभग 50 वर्षों से पाले हुए जंगल को काटने पर विचार हो रहा है। उत्तराखंड में हर रोज जंगल बचाने के लिए लोग एकत्रित होते हैं, फिर भी यहां आए दिन हरे पेड़ कटने की शिकायतें मिलती हैं।

यही स्थिति जम्म–कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल, असम, मेघालय, मणिपुर, नगालैंड, छत्तीसगढ़, झारखंड आदि स्थानों की है। जहां विकास के नाम पर हर रोज लाखों पेड़ों की बलि दी जा रही है। यदि हम रोज पौधरोपण करें और हमारे सामने ही 50–60 साल पुराना जंगल काट दिया जाए, तो समझना चाहिए कि हम आज जो पेड़ लगा रहे हैं, पहले तो उसे आग से बचाना मुश्किल होगा और यदि बच गया, तो लगभग 50 वर्ष तक उसे जंगल के रूप में खड़ा होने के लिए इंतजार भी करना होगा। अतः जरूरी हो गया है कि पुराने समय से जो पेड़ हमें ऑक्सीजन दे रहे हैं, इसके अलावा जो बीज धरती के अंदर से जमकर पौधे का रूप धारण कर रहे हैं, उन्हें भी राज व समाज को मिलकर पौधरोपण की तरह महत्व देने की जरूरत है।

तलाक के खिलाफ कानूनी लड़ाई सुप्रीम कोर्ट पहुंची

ललित

एक महिला अपने पति को तलाक का आदेश कई बार देने वाले पारिवारिक न्यायालय के खिलाफ लंबी कानूनी लड़ाई लड़ रही है। इस मामले ने सर्वोच्च न्यायालय को इस हद तक झकझोर दिया है कि न्यायालय ने कहा है कि न्यायिक प्रणाली उसके प्रति बेहद अन्यायपूर्ण है। 1991 में विवाहित महिला ने एक साल बाद एक बेटे को जन्म दिया और उसके पति ने उसे छोड़ दिया। उसने कर्नाटक के एक पारिवारिक न्यायालय में तलाक के लिए अर्जी दी, जिसने एक बार नहीं बल्कि तीन बार उसके पति के पक्ष में तलाक का आदेश दिया, इस तथ्य की अनदेखी करते हुए कि वह उसे या उसके नाबालिग बच्चे को भरण–पोषण के लिए कुछ भी नहीं दे रहा था। तलाक के आदेश के खिलाफ महिला ने जिस उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था, उसने पारिवारिक न्यायालय से उसके पति की याचिका पर नए सिरे से निर्णय लेने के लिए कई बार कहा। हर बार पति तलाक का आदेश पाने में सफल रहा। उच्च न्यायालय ने तीसरी बार पारिवारिक न्यायालय के उस निर्णय को मंजूरी दे दी, जिसमें पति को 20 लाख रुपये के स्थायी गुजारा भत्ते के भुगतान पर तलाक दिया गया। स्थानीय न्यायालय ने महिला को 25 लाख रुपये दिए थे। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति उज्जल भुयान की पीठ का ध्यान वैवाहिक विवाद के इतिहास की ओर गया, जिसमें महिला को गुजारा भत्ता के रूप में पर्याप्त धनराशि नहीं मिली। शीर्ष अदालत ने पारिवारिक न्यायालय द्वारा तलाक के आदेश पारित करने के तरीके की निंदा की। "रिकॉर्ड के अवलोकन से, हमें ऐसा लगता है कि न्यायिक प्रणाली अपीलकर्ता और उसके नाबालिग बच्चे, जो अब वयस्क हो गया है, के प्रति घोर अन्यायपूर्ण रही है। हम ऐसा इसलिए कह रहे हैं क्योंकि यह प्रतिवादी ही है जिसने इन सभी वर्षों में अपीलकर्ता के साथ अत्यधिक क्रूरता की है, और अपने बेटे के बेहतर भविष्य को सुरक्षित करने के लिए कभी भी कोई सहायता करने या उसकी स्कूली शिक्षा के लिए भुगतान करने की पेशकश नहीं की। "प्रतिवादी की अपनी माँ इन सभी वर्षों में अपनी बहूध्अपीलकर्ता के साथ रह रही है और उसके खिलाफ आगे आई है। जिस यांत्रिक तरीके से पारिवारिक न्यायालय अपीलकर्ता के खिलाफ तलाक के आदेश पारित करता रहा, वह न केवल संवेदनशीलता की कमी को दर्शाता है, बल्कि अपीलकर्ता के खिलाफ एक छिपे हुए पूर्वाग्रह को भी दर्शाता है। पीठ ने कहा, अदालतों को प्रतिवादी के खुद के अपराधों को कोई महत्व नहीं देना चाहिए था। हालांकि, अदालत ने कहा कि वह इस तथ्य से अनभिज्ञ नहीं हो सकती कि दोनों पक्ष 1992 से अलग–अलग रह रहे हैं और इसलिए पारिवारिक अदालत द्वारा सशर्त रूप से दिए गए तलाक के आदेश को बरकरार रखा गया। पति के अपराधों पर नाराजगी जताते हुए पीठ ने कहा कि विवाह के अपूरणीय रूप से

टूटने के दावे का इस्तेमाल केवल वैवाहिक संबंध को तोड़ने के लिए जिम्मेदार पक्ष के लाभ के लिए नहीं किया जा सकता। सर्वोच्च न्यायालय ने न केवल 20 लाख रुपये के गुजारा भत्ते में 10 लाख रुपये की वृद्धि की, बल्कि यह भी आदेश दिया कि महिला, उसके बेटे और उसकी सास द्वारा वर्तमान में कब्जा किया गया घर उनके पास रहेगा और व्यक्ति को संपत्ति के शांतिपूर्ण कब्जे में हस्तक्षेप करने से रोक दिया। ष्यदि प्रतिवादी के पास कोई अन्य अचल संपत्ति है, तो प्रतिवादी द्वारा शीर्षक के किसी भी हस्तांतरण के बावजूद पक्षों के बेटे को उसमें अधिमान्य स्वामित्व अधिकार प्राप्त होंगे। पीठ ने कहा, ष्यह निर्देश इसलिए जरूरी है क्योंकि उसके (दंपति के बेटे) पास गुजारा भत्ता और स्कूल तथा उच्च शिक्षा के लिए पर्याप्त राशि मांगने का अविभाज्य और लागू करने योग्य अधिकार है।ष निर्देशों को अनिवार्य रूप से लागू करने योग्य बनाते हुए शीर्ष अदालत ने व्यक्ति को चेतावनी दी कि इसका पालन न करने पर तलाक का आदेश स्वतः ही ष्अमान्यष हो जाएगा। इसने व्यक्ति को तीन महीने के भीतर गुजारा भत्ता देने को कहा, जिस दिन 3 अगस्त, 2006 को तलाक का पहला आदेश पारित किया गया था, उस दिन से सात प्रतिशत वार्षिक ब्याज के साथ। पीठ ने हाल ही में दिए गए आदेश में कहा, ष्इसी तरह, यदि प्रतिवादी निर्धारित समय के भीतर अपीलकर्ता को उपरोक्त राशि का भुगतान करने में विफल रहता है, तो पारिवारिक अदालत को कानून के अनुसार उसके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई करने का निर्देश दिया जाता है।

संबंधों में संतुलन बहाल करने का समय आ गया

संजय

भारत के पड़ोस में बड़े भाई की कूटनीति की आलोचना का जवाब देते हुए, मैं अक्सर अपने साथी दक्षिण एशियाई वार्ताकारों को वैकल्पिक रूपक के बारे में सोचने के लिए आमंत्रित करता हूँ। बड़े भाई शब्द को लंबा व्यक्ति से बदलें, जो भारतीय संयुक्त परिवार की सांस्कृतिक विरासत के साथ आता है। पाँच और विषम फीट वाले लोगों के समूह में छह फीट वाले व्यक्ति को छोटे लोगों से बातचीत करने के लिए गर्दन झुकाने का नुकसान होता है। छोटे लोगों को यह पूछने का अधिकार है आप हमें क्यों देख रहे हैं? लंबे लोगों के पास कोई विकल्प नहीं है। एक माता–पिता बच्चे से आमने–सामने बात करने के लिए घुटने टेक सकते हैं, लेकिन बड़े देशों को घुटने टेकने में कठिनाई होती है। विकसित देश विकासशील देशों के साथ समान व्यवहार करने का दिखावा करते हैं, लेकिन हर कोई जानता है कि दुनिया

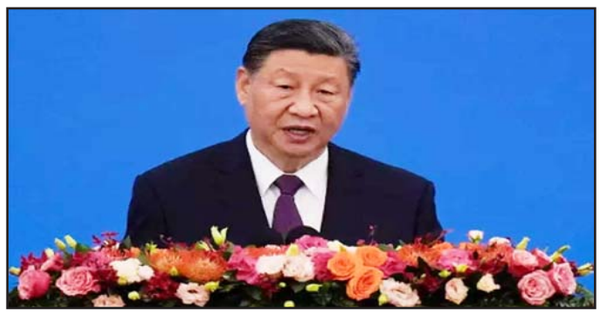

असमान लोगों से बनी है। समान होने का दिखावा करते हुए, बड़े और छोटे देशों को असमानता के तथ्य को पहचानने और उससे निपटने की समझदारी दिखानी होगी। जिस तरह भारत को अपने छोटे दक्षिण एशियाई पड़ोसियों से निपटना सीखना है, उसी तरह उन्हें भी बड़े भारत से निपटना सीखना होगा। यही तर्क भारत–चीन संबंधों पर भी लागू होता है। भारतीय राजनीतिज्ञों, राजनयिकों और अभिजात वर्ग के सामने इस मामले में एक समस्या है। वे लंबे समय तक विकास और पश्चिम के साथ देश के संबंधों में शक्ति असंतुलन की वास्तविकता के साथ जीने को तैयार हैं। लेकिन उन्हें पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना के संबंध में हाल ही में उभरे असंतुलन से निपटना मुश्किल लगता है। 20वीं सदी की पहली तीन तिमाहियों में भारत और चीन कमोबेश विकास के एक ही स्तर पर थे। हालांकि, आखिरी तिमाही में चीन धीरे–धीरे आगे बढ़ने लगा, लेकिन महत्वपूर्ण रूप से नहीं। यहां तक ध्कि 2007 के अंत में, सिंगापुर के संस्थापक–नेता ली कुआन यू ने दो एशियाई दिग्गजों को एशियाई विमान के दो इंजन के रूप में संदर्भित किया और उनका मानना था कि 21वीं सदी में एशिया के उत्थान और अपनी ऐतिहासिक स्थिति को पुनः प्राप्त करने के लिए, उसे दोनों इंजनों पर काम करना होगा। 1980 से 2010 की अवधि के दौरान चीनी नेताओं द्वारा व्यक्त किए गए समान विचारों ने भारतीय अभिजात वर्ग को राहत दी। इस दृष्टिकोण ने दोनों देशों को सीमा प्रश्न पर एक समझौता करने में भी सक्षम बनाया। हालांकि, 2008–09 के ट्रांस–अटलांटिक वित्तीय संकट के बाद, चीजें बदल गईं। अर्थशास्त्री वॉल्ट रोस्टो द्वारा लोकप्रिय किए गए एयरलाइन रूपक का उपयोग करने के लिए, चीन ने उड़ान भरी। यहां तक ध्ध्कि 2005 में जब प्रधान मंत्री मनमोहन सिंह और वेन जियाबाओ मिले, तो वे एक–दूसरे से बराबरी का व्यवहार करते थे। जब राष्ट्रपति शी जिनपिंग 2014 में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी से मिले, तब तक संतुलन चीन के पक्ष में झुक चुका था। पिछले दशक में चीनी अर्थव्यवस्था भारत की तुलना में पांच गुना बड़ी हो गई है। 2010–11 में, मुझे चीन, भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के थिंक टैंकों के बीच एक त्रिपक्षीय वार्ता में भाग लेने का अवसर मिला। संवाद एक युवा चीनी विद्वान के एक प्रश्न से शुरू हुआ। मैं समझ सकता हूं, उन्होंने कहा, चीन और संयुक्त राज्य अमेरिका को बातचीत में क्यों शामिल होना चाहिए। चीन एक उभरती हुई शक्ति है। अमेरिका एक घटती हुई शक्ति है। हमें इस परिवर्तन को प्रबंधित करने की आवश्यकता है। लेकिन, हम इस मेज पर भारत को क्यों रखते हैं?ष राष्ट्रपति शी ने यह स्पष्ट करके उस प्रश्न को आगे बढ़ाया कि भारत और चीन अब एक ही लीग में नहीं हैं। चीन अब अमेरिका के साथ सीधे और बराबरी के स्तर पर बातचीत करेगा। भारत अब उस मेज पर बैठने का हकदार नहीं है। भारतीय नेतृत्व और बुद्धिजीवियों के लिए बदली हुई वास्तविकता को स्वीकार करना मुश्किल हो गया है। शायद राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने सीमा मुद्दे पर समझ को खत्म करने और जून 2020 में अपनी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी को लद्दाख क्षेत्र में विवादित क्षेत्र में घुसने की अनुमति देने का फैसला किया था, जिसे कुछ लोग भारत को उसकी जगह दिखाने के रूप में देखते हैं। यह काफी हद तक भारत को परेशान करने वाला है। तब से द्विपक्षीय संबंधों में गतिरोध जारी है। भारत को उम्मीद है कि चीन अपनी गलती स्वीकार कर लेगा और पीछे हट जाएगा। लेकिन जून 2020 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बयान ने चीन को खुली छूट दे दी। श्री मोदी ने कहा थारू न तो उन्होंने हमारी सीमा में घुसपैठ की है, न ही उनके (चीन) द्वारा कोई चौकी पर कब्जा किया गया है। हमारे बीस जवान शहीद हुए, लेकिन जिन्होंने भारत माता को ललकारा, उन्हें सबक सिखाया गया। सीमा मुद्दे पर सरकार–से– सरकार (जी2जी) चर्चाएं चल रही हैं, वहीं भारत–चीन संबंधों की स्थिति को परिभाषित करने वाली दो विरोधाभासी विशेषताएं सामने आई हैं। एक ओर, व्यापार– से–व्यापार (बी2बी) संबंध फल– फूल रहे हैं। द्विपक्षीय व्यापार फल–फूल रहा है और केंद्र सरकार के वार्षिक आर्थिक सर्वेक्षण ने सुझाव दिया है कि भारत को चीनी निवेशों के लिए और अधिक खुला होना चाहिए। जून 2020 में राष्ट्रपति शी के गलत कदम के परिणामस्वरूप सबसे अधिक नुकसान लोगों से लोगों (पी2पी) के संपर्कों को हुआ है।

प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण का सर्वे शुरूछत होगी पक्की और मजबूत, अपने घर का सपना अब नहीं है दूर

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर मुख्य विकास अधिकारी श्री साई तेजा सीलम की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अन्तर्गत आवास प्लस 2018 की सूची में पात्र लाभार्थियों का नाम जोड़े जाने हेतु कलेक्ट्रेट सभागार में प्रेस कान्फ्रेस आयोजित किया गया।

जिसमें योजना से सम्बन्धित सभी पहलूओं पर चर्चा की गयी, सबसे महत्वपूर्ण बिन्दु ग्रामीण क्षेत्रों के सभी बेघर एवं आवासविहीन परिवारों को पक्की छत उपलब्ध कराने, पात्र परिवारध्लाभार्थी का नाम सर्वेक्षण के उपरान्त स्थायी पात्रता सूची में सम्मिलित किये जाने हेतु आवास प्लस सर्वेक्षण के माध्यम से नये पात्र लाभार्थियों को सूची में जोड़ने प्रत्येक स्तर पर सावधानी करने तथा भारत–सरकार के निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाएगा।

वित्तीय वर्ष 2024–25 से 2028–29 तक लाभार्थियों के चयन में अपात्रता के निर्धारण हेतु 10 निम्नलिखित मानक निर्धारित किये गये है–

बहिर्वेषन के लिए वर्तमान में निर्धारित 10 मानक है– मोटर चालित तीनध्चार पहिया वाहन, यन्त्रीकृत तीनध्चार पहिया कृषि उपकरण, रू0–50000.00 अथवा इससे अधिक की क्रेडिट सीमा वाला किसान क्रेडिट कार्ड, वे परिवार जिनके परिवार में सरकारी कर्मचारी है, गैर कृषि उद्यमो में सरकार द्वारा पंजीकृत परिवार, वे परिवार जिनका कोई सदस्य रू 15000.00 से अधिक प्रतिमाह कमा रहा हों, आयकर देने वाले परिवार, व्यवसाय कर देने वाले परिवार, वे परिवार जिनके पास 2.5 एकड़ या इससे अधिक सिंचित भूमि हों, वे परिवार जिनके पास 5 एकड़ या इससे अधिक असिंचित भूमि हों। इसके अतिरिक्त ग्रामीण आवास हेतु अपात्र लाभार्थियों के चिन्हांकन का मानक पूर्व निर्धारित एवं वर्तमान में निर्धारित के सम्बन्ध में मुख्य विकास अधिकारी ने विस्तृत रूप से उपस्थित समस्त पत्रकार बन्धुओं को अवगत कराया कि बहिर्वेषन के लिए पूर्व निध्ार्रित 13 मानक है जिसमें मोटरयुक्त दोपहिया/तिपहिया/चौपहिया वाहन/मछली पकड़ने की नाव, मशीनी तिपहिया/चौपहिया कृषि उपकरण, रू0 50000 अथवा इससे अधिक ऋण सीमा वाले किसान क्रेडिट कार्ड, वे परिवार, जिनका कोई सदस्य सरकारी कर्मचारी हो, सरकार के पास पंजीकृत गैर–कृषि उद्यम वाले परिवार, वे परिवार जिनका कोई सदस्य रू 10000 से अधिक प्रतिमाह कमा रहा हों, आयकर देने वाले परिवार, व्यवसाय कर देने वाले परिवार, वे परिवार जिनके पास रेफ्रिजरेटर हो, वे परिवार जिनके पास लैंड लाईन फोन हो, वे परिवार जिनके पास 2.5 एकड़ या इससे अधिक सिंचित भूमि हों और कम से कम एक सिचाई उपकरण हो, दो या इससे अधिक फसल वाले मौसम के लिए 05 एकड़ या इससे अधिक सिंचित भूमि, वे परिवार जिनके पास 7.5 एकड़ या इससे अधिक भूमि हो और कम से कम एक सिंचाई का उपकरण हों। अन्त में मुख्य विकास अधिकारी द्वारा समस्त पत्रकार बन्धुओं के प्रति आभार व्यक्त किया गया। इस अवसर पर परियोजना निदेशक कृष्ण करूणाकरण पाण्डेय, जिला सूचना अधिकारी मनोकामना राय सहित मीडिया बन्धु उपस्थित रहे।

आईएएस गामिनी सिंगला ने संभाला बल्दीराय तहसील एसडीएम पद का कार्यभार

सुलतानपुर। एसडीएम गामिनी सिंगला ने बुधवार को कार्यभार संभाल लिया। एसडीएम का तहसीलदार अरविंद तिवारी, नायब तहसीलदार गुलाब सिंह ने स्वागत किया। एसडीएम ने अधिकारियों से परिचय लिया।एक वर्ष तक थी मेरठ के तहसील में उप जिलाधिकारी रही।बल्दीराय तहसील का चार्ज संभालने के बाद एसडीएम ने तहसील परिसर का गहन निरीक्षण किया। तहसील के कक्षों में व्याप्त गंदगी पर नाराजगी जताई। पहले दिन ही एसडीएम ने कड़े तेवर दिखाए।तहसील पहुंचकर नवागत एसडीएम कार्यालय में कुछ क्षण बैठने के बाद तहसील परिसर के निरीक्षण के लिए निकल पड़ी। एसडीएम कंप्यूटर कक्ष में पहुंचे। यहां पर शिकायती पत्रों के ऑनलाइन निस्तारण के बारे में जानकारी ली।एसडीएम ने कहा कि पीड़ित जनता को न्याय दिलाना उनकी पहली प्राथमिकता है। जनता अपनी समस्या को लेकर कभी भी दफ्तर में मिल सकती है। काम में लापरवाही कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। एक सवाल के जबाब में बताया कि शासन की प्राथमिकताओं का शत–प्रतिशत पालन कराना पहला कर्तव्य होगा। आम आदमी की समस्याओं का निस्तारण कराना व त्वरित न्याय पर ध्यान दिया जाएगा। बहुत जल्द परिवर्तन नजर आने लगेगा।

अपराध को लेकर एसपी हुए सख्त, तीन पर गिरी गाज

सुल्तानपुर। मंगलवार को सरेशाम नगर कोतवाली के पयागीपुर चौकी क्षेत्र में लखनऊ वाराणसी हाइवे पर निजी रेस्टोरेंट के सामने भाजपा नेता के भतीजे की गोली मारकर हत्या किए जाने के बाद एसपी सोमेन बर्मा सख्त हो गए है। उन्होंने लापरवाही बरतने वाले पयागीपुर चौकी इंचार्ज कन्हैया कुमार पांडेय सहित दो आरक्षियों को निलंबित कर दिया है।

भरत ज्वैलर्स के यहां दिन दहाड़े डकैती का आरोपी मुठभेड़ में मारा गया

सुलतानपुर। एसटीएफ से मुठभेड़ में एक लाख इनामी डकैत मंगेश यादव मारा गया। कोतवाली देहात के मिसिरपुर पुरैना इलाके में हुई मुठभेड़। मुठभेड़ में घायल मंगेश को सीएचसी भाइयां में इलाज के लिए भेजा गया। इलाज के दौरान मंगेश यादव की हुई मौत।मौके से 32 बोर की एक पिस्टल, कारतूस, 315 बोर का एक तमंचा, एक बाइक और लूटे गए जेवर बरामद। मूल रूप से जौनपुर के रहने वाले मंगेश पर पहले से कई मुकदमे दर्ज थे।28 अगस्त को भरत ज्वैलर्स के यहां दिन दहाड़े डकैती में शामिल था मंगेश यादव।

दो अभियुक्तों पर न्यायालय ने लगाया अर्थदंड

अयोध्या। जीआरपी अयोध्या कैंट रेलवे पुलिस द्वारा दोनों अभियुक्तों पर न्यायालय ने अर्थदंड भी लगाया है। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक जीआरपी अयोध्या कैंट समर सिंह ने बताया कि इन आरोपियों पर न्यायालय द्वारा कुल 3000–3000 रुपये का अर्थ दंड भी लगा हुआ है।उन्होंने बताया कि अपर सिविल जज जूनियर डिवीजन प्रथम फैजाबादध्अयोध्या द्वारा थाना जीआरपी अयोध्या कैन्ट पर पंजीकृत निम्नलिखित अभियोंग में क्रमश सजा सुनाई गई। उन्होंने बताया कि सजा सुनाए गए अभियुक्तों की पहचानध मो0 छोटू पुत्र मो0 निजाम निवासी खैरनपुर थाना रुदौली व शिव विलास उर्फ भुल्लन तिवारी पुत्र माता प्रसाद निवासी पलिया पश्चिम थाना कमरौली जिला सुल्तानपुर के रुप में हुई है।उन्होंने बताया कि जेल मे बितायी गयी अवधि व दोनो अभियुक्तो को क्रमश 3000–3000 रूपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया।अर्थदण्ड जमा न करने पर 10 दिवस का अतिरिक्त कारावास की सजा सुनाई गई।

शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षकों को श्री शारदा ग्रुप ऑफ इंस्टीटूशन ने किया सम्मानित

ब्यूरो चीफ आर एल पांडेय

लखनऊ। शिक्षक दिवस के मौके पर आयोजित सम्मान समारोह भव्य और प्रेरणादायक रहा। इस समारोह में प्रमुख विभिन्न छेत्रों के विशेषज्ञों को सम्मानित किया गया जिनमे प्रोफेसर विवेक मिश्रा डीन श्री शारदा ग्रुप ऑफ इंस्टीटूशन, प्रोफेसर मनोज पांडेय अध्यक्ष लुआकता , प्रोफेसर एन.के अवस्थी ,प्रोफेसर सरिता चौहान , प्रोफेसर निहारिका वर्मा , प्रोफेसर अर्चना मौर्या ,डॉ. सुशांत गुप्ता , श्रीमान विकास त्रिपाठी , अंजलि सोनी , अनामिका त्रिपाठी, खुर्शीद खान रजा एडिटर इन चीफ न्यूज टाइम्स नेशन , आशीष सिंह सीनियर वी.पी HDFC बैंक , रागवेंद्र सिंह वरिष्ठ पत्रकार को सम्मानित किया गया। समारोह का उद्घाटन माननीय श्री निर्मेश सिंह वाईस चेयरमैन, श्री शारदा ग्रुप ऑफ इंस्टीटूशन, डॉ. ज्योति सिंह, निदेशक, श्री शारदा ग्रुप ऑफ इंस्टीटूशन, और प्रोफेसर विवेक मिश्रा डीन , श्री शारदा ग्रुप ऑफ इंस्टीटूशन द्वारा किया गया। इस आयोजन में शिक्षकों के समर्पण और उनके योगदान की सराहना की गई और उन्हें पुरस्कार एवं प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। साथ ही शिक्षकों के सम्मान में विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन छात्रों द्वारा किया गया। इस समारोह ने हमें हमारे शिक्षकों के महत्वपूर्ण योगदान की सराहना करने और उन्हें उचित मान्यता देने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान किया। समारोह में उपस्थित सभी लोगों ने शिक्षकों के प्रति अपनी कृतज्ञता और सम्मान व्यक्त किया। अंत में सभी शिक्षकों को प्रोफेसर विवेक मिश्रा डीन , श्री शारदा ग्रुप ऑफ इंस्टीटूशन द्वारा उनके योगदान के लिए धन्यवाद दिया गया और उनके प्रति सम्मान व्यक्त किया गया। हम सभी का धन्यवाद करते हैं जिन्होंने इस आयोजन को सफल बनाने में सहयोग किया और शिक्षकों को उनके महत्व का अहसास कराया।

साक्षी को मिला सैनिक स्कूल मे दाखिला

सुजानगंज। क्षेत्र मे तरसाव निवासी साक्षी पटेल पुत्री स्वर्गीय राजनारायण पुष्कर का चयन मैनपुरी सैनिक स्कूल मे कक्षा 9 मे हुआ है. इस अवसर पर वर्तमान मे अध्ययन रत स्कूल अपैक्स अकादमी के प्रबंधक विवेक मौर्या ने मिठाई खिलाकर साक्षी का उत्साह वर्धन किया इस मौके पर ज्योति मौर्या, मोहित शुक्ला, दीपक यादव समेत तमाम लोग उपस्थित रहे।

शिक्षकों को अपने स्टूडेंट का रोल मॉडल बनना होगा

ब्यूरो चीफ आर एल पांडेय

लखनऊ। श्री जय नारायण मिश्र महाविद्यालय मे आज शिक्षक दिवस के अवसर पर षशिक्षक सम्मान समारोहष का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 11 शिक्षकों को उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए समारोह के मुख्य अतिथि, प्रो ए. के. सेन गुप्ता, पूर्व प्रति कुलपति, लखनऊ विश्वविद्यालय, एवं विशिष्ट अतिथि, जी सी शुक्ला, मंत्री प्रबंधक, जय नारायण मिश्र महाविद्यालय, द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर प्रो सेन गुप्ता ने कहा कि, शिक्षकों का छात्रों से संवाद आवश्यक है, और यह संवाद केवल कक्षाओं तक सीमित नहीं रहना चाहिए। शिक्षकों को दिल से पढ़ाना चाहिए और उन्हें किताबी शिक्षा से अलग व्यवहारिक ज्ञान भी देना होगा। उन्होंने कहा कि, शिक्षकों को छात्र–छात्राओं के व्यक्तित्व विकास पर भी विशेष ध्यान देना होगा और शिक्षकों को अपने स्टूडेंट का रोल मॉडल बनना होगा। उन्होंने कहा कि, शिक्षा से समाज में

ह्युमन कैपिटल का निर्माण होता है। शिक्षा ही भविष्य के समाज में प्रबलता और समृद्धि की संवाहक होती है।

इस अवसर पर श्री जी सी शुक्ला ने कहा कि, शिक्षकों के लेक्चर पहले स्मरणीय होते थे। जो छात्र–छात्राओं को जीवन पर्यंत याद रहते थे। ऐसी ही शिक्षा की आज भी जरूरत है। सम्मानित हुए शिक्षकों की पुस्तके शैक्षिक सत्र में प्रकाशित हुई है। सम्मानित शिक्षकों में डॉ रश्मि सोनी, डॉ वंदना सिंह, डा अनामिका सक्सेना, डॉ अनिल त्रिपाठी, डॉ मनोज कुमार, डॉ अनिकेश प्रकाश, श्री संजय कुमार चौहान, डॉ बालेश्वर प्रसाद, डॉ शिवांगी शर्मा, डॉ राजेश कुमार तिवारी सहित महाविद्यालय प्राचार्य प्रो विनोद चंद्रा को उनकी पुस्तक इंडियन फैमिलीज के लिए मुख्य अतिथि द्वारा सम्मानित किया गया। समारोह का संचालन प्रो बलवंत सिंह ने किया। समारोह के समापन पर प्रो के के शुक्ला, उपप्राचार्य ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।इस अवसर पर प्रो एस सी हजेला, प्रो मनोज पांडेय, प्रो भारती पांडेय सहित महाविद्यालय के अनेक शिक्षक छात्र–छात्राएं एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

सभी सर्राफा एसोसिएशन ने हजरतगंज जीपीओ गाँधी प्रतिमा पर एकत्रित होकर विरोध दर्ज कराया

ब्यूरो चीफ आर एल पांडेय

लखनऊ। लखनऊ महानगर की सभी सर्राफा एसोसिएशन ने पिछले कुछ दिनों से देश व प्रदेश भर में लगातार सर्राफा व्यापारिओं के साथ हत्या,डकैती,लूटपाट,की घटनाओं और किसी भी घटना का पूर्ण रूप से खुलाशा ना होने तथा किसी घटना में अगर कुछ अपराधी पकडे जाते है तो जानबूझ कर कभी पुरे अपराधी नहीं पकडे जाते है और उन्ही अपराधिओं के पास लुटा हुआ ज्यादा से ज्यादा सामान होना पुलिस के द्वारा बताये जाने पर जिससे घटना खुलने की पूरी औपचारिकता पूरी कर दी जाती है जिसमे बेचारा पीड़ित दुकानदार पूरी तरह से बर्बाद हो जाता है. उसके विरोध में तथा 2 दिन पहले लागु सर्राफा व्यापारिओं पर लाइसेंस शुल्क के नाम पर हर साल 10 से 20 हजार का शुल्क जबरदस्ती लड़ने के विरोध में लखनऊ के सभी सर्राफा व्यापारी, सभी सर्राफा संगठनों ने एक होकर हर घटना में पुरे माल की निश्चित बरामदगी को लेकर विभिन्न छेत्रो से एक बाइक रैली निकली. इन बाइक रैलीयों के माध्यम से लखनऊ महानगर सर्राफा एसोसिएशन तथा सभी सर्राफा एसोसिएशनो ने

हजरतगंज ळच्च गाँधी प्रतिमा पर एकत्रित होकर विरोध दर्ज कराया.

आज के कार्यक्रम में प्रमुख रूप से लखनऊ महानगर सर्राफा एसोसिएशन के अध्यक्ष तथा ऑल इंडिया ज्वेलर्स एंड गोल्डस्मिथ फेडरेशन के अध्यक्ष मनीष कुमार वर्मा. ,चेयरमैन एंड संयोजक उत्तर प्रदेश ऑल इंडिया ज्वेलर्स एंड गोल्ड स्मिथ फेडरेशन विनोद माहेश्वरी, डॉ राज कुमार वर्मा उत्तर प्रदेश महामंत्री राजेश सोनी लखनऊ महानगर के महामंत्री भानु भैया अजय अग्रवाल, धर्मेंद्र गुप्ता,रवीश अतुल गुप्ता अग्रवाल,उपाध्यक्ष–हंसराज विश्कर्मा, सुन्दर लाल, राम कुमार विश्कर्मा, हीरालाल वर्मा, प्रवीण गुप्ता अनु जी राम प्रकाश गुप्ता, संतोष रस्तोगी,बंसल जी हर्ष महेश्वरी, संजय रस्तोगी जवाहर सोनी राजीव रस्तोगी मनीष सोनी,के अलावा प्रदेश व लखनऊ के सैकड़ो सर्राफा व्यापारी उपस्तिथि रहे. स्कूटर रैली के अलावा नगर निगम का घेराव किया गया नगर आयुक्त नगर प्रमुख एवं राज्यसभा सदस्य दिनेश शर्मा को सर्राफा व्यवसायिकों की समस्या से आपको कराया नगर निगम द्वारा लाइसेंस शुल्क वापस ले जाने का प्रस्ताव दिया जो उन्होंने वापस ले लिया है स्कूटर रैली चौक सराफा में आकर समाप्त हुई।

उत्तर प्रदेश मान्यता प्राप्त संवाददाता समिति की पहली बैठक संपन्न

ब्यूरो चीफ आर एल पांडेय

लखनऊ। उत्तर प्रदेश मान्यता प्राप्त संवाददाता समिति की पहली परिचात्मक बैठक समिति के अध्यक्ष हेमंत तिवारी की अध्यक्षता में गुरुवार को विधान भवन प्रेस रूम में संपन्न हुई। बैठक में सभी सदस्यों ने अपने विचार रखे और संगठन के महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की। इसमें पत्रकारों को पेंशन, चिकित्सा सुविधा, आवासीय समस्याओं को जल्द से जल्द लागू कराने के लिए रणनीति तैयार करने पर बात की गई। बैठक के अंत में दिवंगत फोटो जर्नलिस्ट विजय उर्फ पिंटू की स्मृति में 2 मिनट का मौन रखकर शोक व्यक्त किया गया।

बैठक में विजय के परिवार को आर्थिक सहायता प्रदान करने पर विचार करते हुए। यह निर्णय लिया गया कि सभी कागजी औपचारिकताओं को पूरा करने के बाद इस मामले को उच्च अधिकारियों के समक्ष रखा जाएगा, ताकि उनके परिवार को उचित आर्थिक मदद दिलाई जा सके। इसके अलावा बैठक में यह तय किया गया कि हर 15 दिन में समिति की बैठक और साल में एक बार आम सभा आयोजित की जाएगी ताकि पत्रकारों के मुद्दों पर समय रहते विचार–विमर्श हो सके और आवश्यक कदम उठाए जा सकें। बैठक में पेंशन पर भी चर्चा हुई, जिसमें भविष्य में रणनीति तैयार कर काम करने की बात कही गई। बैठक में समिति के सदस्यों ने एकजुट होकर पत्रकार हितों के लिए सक्रियता से काम करने की प्रतिबद्धता जताई। बैठक में सचिव भरत सिंह सहित सभी पदाधिकारियों ने एक दूसरे से परिचय प्राप्त किया। इस अहम बैठक में अध्यक्ष हेमंत तिवारी, सचिव भारत सिंह, कोषाध्यक्ष आलोक कुमार त्रिपाठी, उपाध्यक्ष आकाश शेखर शर्मा, अविनाश चन्द्र मिश्र, राघवेन्द्र त्रिपाठी, संयुक्त सचिव विजय कुमार त्रिपाठी, अनिल कुमार सैनी, नीता देवी, सदस्य कार्यकारिणी दिलीप सिन्हा, रितेश सिंह, अब्दुल वहीद, नवेद शिकोह, वेदप्रकाश दीक्षित शबीहुल हसन, भूपेन्द्र मणि त्रिपाठी, राघवेन्द्र प्रताप सिंह, रेनू निगम, शेखर पंडित, सुयश मिश्रा, सत्येन्द्र राय मौजूद रहे।

बाल निकुंज में शिक्षक दिवस पर शिक्षकों का हुआ सम्मान

ब्यूरो चीफ आर एल पांडेय

लखनऊ। 5 सितंबर 2024 को प्रातः 10:00 बजे से शिक्षक दिवस डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस के शुभ अवसर पर बाल निकुंज इंटर कॉलेज गर्ल्स विंग श्रीनगर, मोहिबुल्लापुर, सीतापुर रोड, लखनऊ स्थित सभागार में शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि अजय खन्ना जनरल मैनेजर सेंट्रल बैंक इंडिया लखनऊ और स्पेशल गेस्ट मनोज कुमार सक्सेना रीजनल मैनेजर, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया लखनऊ द्वारा विद्यालय व शिक्षा को समर्पित सर्वश्रेष्ठ योगदान देने वाले 27 शिक्षक शिक्षिकाओं में सुधीर मिश्रा कालेज कोआर्डिनेटर, डॉ अनूप कुमारी शुक्ला प्रधानाचार्या बाल निकुंज गर्ल्स एकेडमी, रश्मि शुक्ला प्रधानाचार्या बाल निकुंज इंग्लिश स्कूल, भगवती भण्डारी प्रधानाचार्या बाल निकुंज इंटर कॉलेज गर्ल्स विंग, आशीष श्रीवास्तव प्रधानाचार्य भवानी आईटीआई, अनीता मौर्या उपप्रधानाचार्या बाल निकुंज इंटर कॉलेज व्यायज विंग , पूर्णिमा सिंह प्रधानाचार्या बाल निकुंज विद्यालय डे बोर्डिंग , उप प्रधानाचार्य शैलेंद्र सिंह बाल निकुंज इंग्लिश स्कूल एवं इंचार्जेस के. एम .मिश्रा , अरुण कुमार , महिमा पांडिया नीति सिन्हा ,दिनेश तिवारी ,बी बी सिंह, मीरा मिश्रा जया पांडेय रीना पांडेय, अंशु मिश्रा ,श्रीमती एकता सक्सेना, नवल कुमार, योगेंद्र सिंह, अंजू निगम , प्रीति त्रिवेदी, सरस्वती भारद्वाज आदि को विशिष्ट पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। इसके उपरांत विद्यालय के सभी 425 शिक्षक– शिक्षिकाओं एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को कालेज प्रबंधिका श्रीमती पुष्पा जयसवाल एवं प्रबंध निदेशक एच एन जायसवाल द्वारा पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया।

अयोध्या और तमिलनाडु का रिश्ता हजारों वर्ष पुराना, पूरा हुआ मां सीता का संकल्प

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। गुरुवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अयोध्या के रामसेवक पुरम पहुंचे। इस मौके पर

उन्होंने कहा कि देश में भले ही सरकारें अलग–अलग रही हों। लेकिन हमने भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक एकता कहीं नहीं खंडित होने दी।क्योंकि भारत के संतों की परंपरा ने जागरण के माध्यम से इसे मजबूती प्रदान की है। इस मौके पर योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अयोध्या धाम और तमिलनाडु का एक विशेष रिश्ता है।यो तो कहा जा सकता है कि उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु का प्रकाट्य रिश्ता है।जो हजारों वर्षों–हजार वर्ष की परंपरा है। बताते चलें कि हजारों वर्ष पहले प्रभु श्री राम, जो श्री हरि विष्णु जी के भी अवतार थे। जब श्रीलंका में माता सीता की खोज में निकले थे। तब तमिलनाडु वह स्थान था, जहां श्री रामेश्वरम के पवित्र स्थल पर उन्होंने सेतु बंध के निर्माण से पूर्व अपने आराध्य भगवान शिव की आराधना की थी। शिव की कृपा से सेतु बंध का निर्माण हुआ। आज अयोध्या में श्री रामनाथ स्वामी मंदिर से माता सीता का संकल्प पूरा हुआ है।योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज भैया जी ने इस संकल्प को आगे बढ़ाया है। उन्होंने स्वामी रामनाथ मंदिर का भव्य मंदिर का निर्माण कराने का संकल्प लिया है। हम एक भारत–श्रेष्ठ भारत का संकल्प लेकर आगे बढ़ रहे हैं। पीएम मोदी की प्रेरणा से यह कार्य हो रहे हैं। उनकी प्रेरणा से वाराणसी में काशी–तमिल संगमम के 2 महत्वपूर्ण संस्करण संपन्न हुए हैं।काशी और तमिल दोनों एक दूसरे से किस रूप से जुड़े हैं, इसके बारे में वहां से आए हुए संतो,विद्वानों और अनेक महानुभावों ने एक नई प्रगाड़ता दी है।काशी के बाद आज अयोध्या भी तमिलनाडु से जुड़ गया है।

व्यापारियों के ऊपर कोई अतिरिक्त लाइसेंस शुल्क नहीं लगाया जाएगा

ब्यूरो चीफ आर एल पांडेय

लखनऊ। लखनऊ व्यापार मंडल के अध्यक्ष अमरनाथ मिश्रा ने बताया कि व्यापार मंडल के वरिष्ठ उपाध्यक्ष विनोद माहेश्वरी जी ने महापौर माननीया सुषमा खर्कवाल जी से मुलाकात की जिस पर वहां पर मौजूद राज्यसभा सदस्य डॉक्टर दिनेश शर्मा जी ने घोषणा की कि व्यापारियों के ऊपर कोई अतिरिक्त लाइसेंस शुल्क नहीं लगाया जाएगा जिस पर नगर आयुक्त जी ने भी बताया कि जो कमेटी बनाई गई थी उसने भी अपनी रिपोर्ट में कहा है कि व्यापारियों के ऊपर कोई अतिरिक्त लाइसेंस शुल्क

नहीं लगाया जाय

महापौर जी ने कहा कि हमारी कल बात लखनऊ व्यापार मंडल के अध्यक्ष अमरनाथ मिश्रा जी से भी हुई थी जिस पर हमने उनको आश्वासन दिया था कि कमेटी गठित कर दी गई है जब डाक्टर दिनेश शर्मा जी ने कह दिया अब कोई व्यापारियों पर लाइसेंस नहीं लगेगा

अध्यक्ष अमरनाथ मिश्र ने राज्यसभा सदस्य डॉक्टर दिनेश शर्मा, मेयर सुषमा खर्कवाल को धन्यवाद दिया क्योंकि लखनऊ शहर के व्यापारियों की समस्या को समझा और अपने पार्षदों के द्वारा सुझाए गए सुझाव को वापस लिया जिसके लिए लखनऊ व्यापार मंडल के सभी पदाधिकारी की तरफ से हार्दिक बधाई दी।

शिक्षक दिवस पर जिला पंचायत हरदोई में आयोजित किया गया शिक्षक सम्मान समारोह

हरदोई(अंबरीष कुमार सक्सेना) गुरूवार को पूर्व राष्ट्रपति डॉ० सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती शिक्षक दिवस के अवसर पर जिला पंचायत सभागार हरदोई मे शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ अध्यक्ष जिला पंचायत प्रेमावती व् क्षेत्रीय महामंत्री भाजपा अवध क्षेत्र अनु मोर्चा पीके वर्मा द्वारा महान शिक्षाविद भारत रत्न डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पण कर किया गया। कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि द्वारा प्रत्येक विकासखंड मे चयनित निपुण विद्यालयों के वरिष्ठ अध्यापकों को प्रशस्ति पत्र एवं अंग वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं प्रदान करते हुए अध्यक्ष जिला पंचायत प्रेमावती ने कहा कि शिक्षक हमारे राष्ट्र की नींव हैं शिक्षक सिर्फ शिक्षण कार्य ही नही अपितु समाज की दिशा व दशा बदलने का कार्य भी करते हैं। हमें पूर्व राष्ट्रपति डॉ० सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जीवन चरित्र से सीख लेनी चाहिए, एक सामान्य परिवार से जन्म लेकर देश के सर्वोच्च पद राष्ट्रपति तक का सफर उन्होंने शिक्षा के बल पर ही पूर्ण किया। इसी क्रम मे क्षेत्रीय महामंत्री भाजपा अवध क्षेत्र अनु मोर्चा पीके वर्मा ने डॉ० सर्वपल्ली राधाकृष्णन को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कहा कि शिक्षक राष्ट्र निर्माण की आत्मा हैं जिसके बिना यह पूरा समाज अर्थहीन है। जिस प्रकार गीली मिट्टी को कुम्हार अलग अलग आकार देते हैं, उसी प्रकार शिक्षक भी छोटे बच्चों में शिक्षा एवं संस्कार का पाठ पढ़ाकर उनके भविष्य को आकार देते हैं। शिक्षा के माध्यम से अपने समाज को सशक्त बनाना ही डॉ. राधाकृष्णन को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। हमें उनके सपनों को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध होकर प्रत्येक परिस्थिति मे शिक्षा और ज्ञान की मशाल को जलाए रखने का संकल्प भी लेना होगा। इस अवसर पर खंड शिक्षा अधिकारी अनिल झा, कार्यक्रम सञ्चालक मनीष मिश्रा, मुख्य प्रबंधक एसबीआई स्नेहा सिंह, एसआरजी आशीष मिश्रा व् अभय सिंह सहित वरिष्ठ शिक्षक गण उपस्थित रहे।

बीसीए के विद्यार्थियों ने शिक्षकों के सम्मान में शिक्षक दिवस मनाया

दैनिक देश की उपासना ब्यूरो

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कम्प्यूटर एप्लिकेशन विभाग के अन्तर्गत बीसीए के विद्यार्थियों ने शिक्षक दिवस मनाया और सभी शिक्षकों को सम्मानित किया। संकायाध्यक्ष प्रो. सौरभ पाल, विभागाध्यक्ष प्रो. नूपुर गोयल एवं कोर्स कार्डिनेटर डॉ सोनम झा ने आशीर्वचन दिए और छात्र– छात्राओं को बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित किया। इनके अलावा सभी शिक्षक डॉ संजीव गंगवार, डॉ मुनींद्र सिंह, सौरभ सिंह, पंकज कुमार, डॉ विकास चौरसिया, डॉ मिथिलेश पांडेय, प्रियंका जायसवाल, अजय कुमार मौर्या, प्रोग्रामर आशुतोष सिंह, कनिष्ठ लिपिक शशांक सिंह इत्यादि मौजूद रहे।छात्र – छात्राओं में वैभव चौरसिया ,विशाल कुमार कन्नौजिया ,साक्षी सिंह, गौरव यादव ,तनुष्का गुप्ता ,प्रवीर मिश्रा ,ग्रेशी सिंह,आर्यन सिंह,अहम सिंह, हर्ष यादव एवं मनमोहन सिंह ने अपनी प्रतिभाओं का बेहतर प्रदर्शन किया।

मूसलाधार बारिश से तालाब ओवरफ्लो, गलियां... सड़कें सभी पानी से लबालब घरों में घुसा पानी

आगरा, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के आगरा में मूसलाधार बारिश से पूरा शहर पानी–पानी हो गया। आधा दर्जन गांवों में तालाब ओवरफ्लो हो गए। गांव की गली–गली पानी से लबालब हो गईं। पानी घरों में घुस गया। इससे घर में रखा खाने पीने का रखा सामान तक खराब हो गया। लोग गंदे पानी में हिलकर निकलने को मजबूर हैं। मंगलवार की रात आगरा में मूसलाधार बारिश हुई। इससे विकासखंड फतेहाबाद के गांव अहीरपुरा नगरचंद में तालाब ओवरफ्लो हो गए। पूरे गांव जलमग्न हो गया। पानी घरों में भर गया। इससे खाने पीने का सामान खराब हो गया। गलियों और सड़कों पर पानी भरे होने से लोग घरों में कैद हैं। ग्रामीणों ने बताया कि तीन माह पूर्व नाला बनाया गया था। नाला पूरा गिर गया। इससे पानी की निकासी नहीं हो रही है। इससे जल निकासी नहीं हो पा रही है।

वहीं पोखरिया गांव में पोखर का पानी ओवरफ्लो होकर दर्जनों घरों में घुस गया। इससे लोग घरों में कैद हैं। पोखरिया गांव में पोखर के पानी से आई सीलन के कारण कई मकान गिर चुके हैं। इसके अलावा थाना डौकी क्षेत्र के नगला इंदर व नगला अमान में तेज बारिश के चलते तालाब का पानी ओवरफ्लो होकर मुख्य मार्ग पर गांव की गलियों सहित घरों में पानी घुस गया है। नगला अमान में बने प्राथमिक विद्यालय के प्रांगण के सामने भी पानी भर गया है। इससे स्कूली बच्चों को आने–जाने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। गांव नगला इंदर में दर्जनों घरों में बारिश का पानी घरों में घुस गया है। घरों में रख खाने पीने के सामान खराब हो गए हैं। लोग घरों में कैद हो गए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि ग्राम प्रधान व कई बार उच्च अधिकारियों से शिकायत कर चुके हैं, लेकिन तालाब की आज तक खुदाई नहीं हुई। इसके चलते तालाब का पानी ओवरफ्लो होकर घरों में घुस रहा है। गांव में बाढ़ जैसे हालात हो गए है। इसके आलावा विकासखंड फतेहाबाद के कछपुरा गांव में तालाब का पानी ओवरफ्लो होकर मुख्य मार्ग पर आ गया है। इससे स्कूली बच्चे व राहगीरों को गंदे पानी में होकर निकलना पड़ रहा हैं।

संक्षिप्त खबरें

राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद जल्द करेगी कार्यकारिणी विस्तार

फतेहपुर, संवाददाता। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद की जनपद शाखा की बैठक हुई। मंगलवार को स्काउट भवन सभागार में हुई बैठक में जनपदीय कार्यकारिणी का जल्द विस्तार का निर्णय लिया गया। बैठक में केंद्र सरकार के केंद्रीय कर्मचारियों के यूपीएस लागू होने के फायदा–नुकसान पर चर्चा हुई। अगले कुछ दिनों में विधिवत कार्यकारणी गठन के साथ शपथ ग्रहण समारोह पर विचार हुआ। बैठक में सभी घटक संगठनों के अध्यक्ष, मंत्रियों ने अपने–अपने संगठन के सदस्यों का नाम जनपदीय कार्यकारिणी के लिए प्रस्तावित किया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के जिलाध्यक्ष विनोद कुमार श्रीवास्तव ने केंद्र सरकार की यूनीफाइड पेंशन स्कीम लागू करने की जानकारी दी। पुरानी पेंशन की मांग को लेकर आंदोलन जारी रखने का निर्णय लिया। बैठक का संचालन अनुपम अवस्थी ने किया। इस मौके पर श्याम प्रकाश तिवारी, अरुण कुमार मिश्रा, बाबू लाल, शशि भूषण त्रिपाठी, रामबाबू कुशवाहा, विनीत सिंह, दया प्रकाश आदि मौजूद रहे।

कार की टक्कर से बाइक सवार जीजा की मौत, साला घायल हुआ

कानपुर, संवाददाता। बिठूर थानाक्षेत्र के मंधना गंगा बैराज हाइवे स्थित कोठारी चौराहे के पास बेकाबू कार ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार जीजा की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल साले को स्थानीय लोगों ने अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करा परिजनों के हवाले कर दिया। बिठूर के रामनगर शिवनगर निवासी ई–रिक्शा चालक राजू चौहान (40) बुधवार को गंभीरपुर निवासी साले दीपक उर्फ दीपू चौहान (23) के साथ बाइक से सिंहपुर गए थे। देर शाम लौटते समय गंभीरपुर मोड़ के पास सामने से आ रही बेकाबू कार ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में राजू की मौत। दीपक गंभीर रूप से घायल है। हादसे के बाद चालक कार समेत फरार हो गया। वहां से गुजर रहे एक निजी अस्पताल के कर्मचारियों ने घायल दीपक को उपचार के लिए कोठारी चौराहे पर स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। हादसे की सूचना पर परिजन ग्रामीणों संग घटनास्थल और अस्पताल पहुंचे। परिजन थोड़ी देर तक राजू के शव को पोस्टमार्टम भेजने के लिए राजी नहीं हुए। हालांकि बिठूर इंस्पेक्टर प्रेमनारायन विश्वकर्मा के कार्रवाई का भरोसा दिलाने पर वह मान गए।

बिजली गिरने से चरवाहे की मौत, चार झुलस गये

हमीरपुर, संवाददाता। हमीरपुर जिले के अलग–अलग स्थानों पर बिजली गिरने से एक चरवाहे की मौत हो गई। चार लोग झुलस गए। वहीं पांच बकरियां मरी हैं। बिवांर थाना क्षेत्र के सायर गांव के हेलपुर मौजा में चरवाहे अपने जानवर चरा रहे थे। शाम पांच बजे बिजली गिरने से चरवाहे ब्रम्हप्रकाश कुशवाहा (58) की मौके पर मौत हो गई। अशोक कुमार उर्फ भूरा अनुरागी (40), बलवंत (28), रामरतन मौर्य और सहदेव यादव (72) गंभीर रूप से झुलस गए। वहीं पांच बकरियों की भी मौत हो गई है। ब्रम्हप्रकाश के पुत्र रेवत ने बताया कि वे दो भाई व तीन बहनें हैं। पिता के पास आठ बीघा कृषि भूमि है। इसमें 67 हजार का केसीसी बना हुआ है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। वहीं, सायर लेखपाल कैलाश चन्द मौका मुआयना किया है। उन्होंने रिपोर्ट एसडीएम को भेजी है। उधर, सरीला क्षेत्र के जलालपुर थाना क्षेत्र के धौहल बुजुर्ग के चंदा डेरा मजरे गांव मे रामबाबू (58) बिजली गिरने से झुलस गए। सीएचसी से जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

85 करोड मिले तो सुधरेगी शहर की बिजली व्यवस्था

बाराबंकी, संवाददाता। शहरवासियों को आए दिन जर्जर तार, लोकल फाल्ट व ओवरलोड से बाधित होने वाले बिजली सप्लाई की परेशानी से जल्दी छुटकारा मिलेगा। पॉवर कॉरपोरेशन ने बिजली सप्लाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए बिजनेस प्लान के तहत 85 करोड़ रुपये की लागत से पूरी होने वाली कार्ययोजना तैयार की है। इसका अनुमोदन होने से शहर की ध्वस्त बिजली व्यवस्था बेहतर बनेगी। प्रस्तावित कार्ययोजना में बाराबंकी डिवीजन में नया उपकेंद्र बनाने के साथ ही ट्रांसफार्मरों की क्षमता बढ़ाने, जर्जर लाइन व एबीसी लाइन को बदलने के साथ ही कई नए कार्य कराए जाएंगे। इसके तहत प्रमुख तौर पर 33ध11 केवी उपकेंद्र का निर्माण, 33 केवी लाइन का निर्माण, सप्लाई लाइन का सुदृढ़ीकरण कराने, उपकेंद्रों की क्षमता बढ़ाने के साथ 11केवी लाइन व 11ध04 उपकेंद्र का निर्माण भी होगा।

मोबाइल पर रील देखने को लेकर विवाद

हरदोई, संवाददाता। हरदोई जिले में बघौली थाना क्षेत्र में मोबाइल पर रील देखने के विवाद में बांका से गर्दन काटकर युवक की हत्या कर दी गई। आरोपी बांका सहित खेतों के रास्तों से भाग गया। ग्रामीणों ने आरोपी को सनकी मिजाज का बताया है। गांव में तनाव की आशंका पर पुलिस फोर्स तैनात की गई है। उम्मरपुर मजरा बेहटा मुर्तजाबक्श गांव निवासी कमल किशोर उर्फ कमलू (23) राजमिस्त्री था। पिता ओमप्रकाश की मौत के बाद उस पर परिवार की जिम्मेदारी थी। यहीं पर उसका पड़ोसी महा सिंह मोबाइल पर रील देख रहा था। अपनी पसंद की रील देखने को लेकर कमलू और महा सिंह के बीच नोंकझोंक हो गई। बताया गया कि इसी बीच महा सिंह घर से बांका ले आया और कमलू की गर्दन पर प्रहार कर दिया।बांका लगते ही चीखते हुए कमलू वहीं गिर गया।

ओवरटेकिंग के दौरान टकराईं निजी बसें

बाराबंकी, संवाददाता। बाराबंकी जिले के रामसनेहीघाट कोतवाली क्षेत्र में अयोध्या–लखनऊ हाईवे पर सुमेरगंज के पास दो निजी बसों में जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में करीब 18 लोग घायल हो गए। पुलिस के अनुसार मिल्कीपुर से लखनऊ जा रही सैनिक एक्सप्रेस की बस सुमेरगंज के पास पहुंची ही थी कि शाहगंज से लखनऊ जा रही बाला जी ट्रेवलर्स की बस ने ओवरटेक किया। चालक की लापरवाही से दोनों बसें टकरा गई। दोनों बसों में 100 से अधिक यात्री सवार थे। टक्कर होते ही यात्रियों में चीख पुकार मच गई। एक युवक बस का शीशा तोड़ हाईवे पर जा गिरा। मौके पर स्थानीय लोगों ने पुलिस व एम्बुलेंस को सूचना दी। पुलिस ने एम्बुलेंस की सहायता से घायलों को सीएचसी रामसनेहीघाट पहुंचाना शुरू किया। इस दौरान हाईवे पर जाम लग गया। हादसे में राजेपुर रामसनेहीघाट निवासी अर्जुन कुमार वर्मा (55), लखनऊ निवासी सुधा सिंह (24), पंकज (23), श्रद्धा सिंह (23), अकबरपुर निवासी संध्या उपाध्याय (45), भीटी अम्बेडकर नगर निवासी अमन कुमार अग्रहरि (22), रुदौली निवासी अनु सिंह (15), अम्बेडकरनगर निवासी शिवम (28) समेत 15 लोगों को सीएचसी भिजवाया। गंभीर घायल अम्बेडकरनगर निवासी अमन कुमार अग्रहरि को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया अन्य घायलों का उपचार सीएचसी पर जारी है।

रामपुर भगन शाखा में आयोजित हुआ शिक्षक दिवस पर कार्यक्रम

अयोध्या। मॉडर्न ग्रुप ऑफ स्कूल की रामपुर भगन शाखा में शिक्षक दिवस के अवसर पर भव्य आयोजन किया गया।इस विशेष दिन पर छात्रों और कर्मचारियों ने मिलकर शिक्षकों के सम्मान में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।बच्चों ने नृत्य, गायन और नाटक की शानदार प्रस्तुतियां दीं, जिससे माहौल उल्लासपूर्ण हो गया।इस मौके पर विद्यालय के प्रबंधक रमेश चंद्र श्रीवास्तव ने कहा कि शिक्षक ही राष्ट्र निर्माता होता है।विद्यालय के प्रबंधक श्री रमेश चंद्र श्रीवास्तव और प्रिंसिपल अनुराग पाठक ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।अपने संबोधन में अनुराग पाठक ने शिक्षकों के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि शिक्षक ही समाज के सच्चे निर्माता होते हैं, जो बच्चों को सही दिशा दिखाते हैं और उनका भविष्य संवारते हैं।रमेश चंद्र श्रीवास्तव ने भी शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त किया और उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण की सराहना की।उन्होंने कहा, ष्हमारा विद्यालय शिक्षकों के अथक प्रयासों और समर्पण के कारण ही उन्नति कर रहा है।ष उन्होंने शिक्षकों के सम्मान में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन करने के लिए विद्यालय प्रबंधन की प्रशंसा की।इस अवसर पर शिक्षकों को विद्यालय की ओर से उपहार और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।समारोह में उपस्थित सभी ने कार्यक्रम का आनंद लिया और शिक्षकों के योगदान को सराहा। वही इसी कड़ी में मॉडर्न ग्रुप ऑफ स्कूल, जाना बाजार में शिक्षक दिवस का आयोजन बड़ी धूमधाम से किया गया।इस अवसर पर समिति के 45 वर्ष पूरे होने पर सभी 90 कर्मचारियों का सम्मान टी–शर्ट देकर किया गया।प्रबंधक रमेश चंद्र श्रीवास्तव और

प्रिंसिपल कौशल किशोर सिन्हा ने पूरी टीम को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी और उनके समर्पण व मेहनत की सराहना की। कार्यक्रम के दौरान शिक्षकों और कर्मचारियों के योगदान को मान्यता देने के लिए विभिन्न सम्मान और पुरस्कार भी प्रदान किए गए,जिससे सभी में उत्साह और गर्व का माहौल बना रहा।मॉडर्न ग्रुप ऑफ स्कूल, जाना बाजार में शिक्षक दिवस का आयोजन बड़ी धूमधाम से किया गया। इस अवसर पर समिति के 45 वर्ष पूरे होने पर सभी 90 कर्मचारियों का सम्मान टी–शर्ट देकर किया गया।प्रबंधक रमेश चंद्र श्रीवास्तव और प्रिंसिपल कौशल किशोर सिन्हा ने पूरी टीम को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी और उनके समर्पण व मेहनत की सराहना की। कार्यक्रम के दौरान शिक्षकों और कर्मचारियों के योगदान को मान्यता देने के लिए विभिन्न सम्मान और पुरस्कार भी प्रदान किए गए।जिससे सभी में उत्साह और गर्व का माहौल बना रहा।

आईसीयू में भर्ती मरीज को सुरक्षाकर्मियों ने डंडों से पीटा

अयोध्या, संवाददाता। जिला अस्पताल में चिकित्सक व स्वास्थ्यकर्मियों ने मंगलवार को संवेदनहीनता की सारी हदें पार कर दीं। आईसीयू में भर्ती एक मरीज को सुरक्षाकर्मियों ने डंडों से पीट दिया। उनके चंगुल से छूटकर मरीज ने अस्पताल परिसर में चिल्ला–चिल्लाकर मारपीट में आई चोटें दिखाईं। बाद में परिजनों ने उसे अस्पताल से रेफर करवा लिया। वहीं, जिला अस्पताल प्रशासन ने शराब के नशे में मरीज पर अभद्रता का आरोप लगाया है।

रौनाही थाना क्षेत्र के सुरवारी लच्छन तिवारी का पुरवा निवासी राहुल तिवारी पहले से किडनी के मरीज हैं। किन्हीं कारणों से चोट लगने पर वह सोमवार शाम जिला अस्पताल के आईसीयू में एक भाजपा नेता की पैरवी पर भर्ती हुए थे। मंगलवार सुबह किसी बात को लेकर अस्पताल में संविदा पर रखे गए सुरक्षाकर्मियों ने डंडों से पीट दिया। इसके बाद घसीटकर अस्पताल से बाहर ले आए। बाहर जमा मीडियाकर्मियों को देखकर रोते–बिलखते हुए मरीज ने आपबीती सुनाई तो अस्पताल के स्टाफ व सुरक्षाकर्मी वहां से भाग खड़े हुए।

कर्मचारियों की ओर इशारा करते हुए मरीज ने सब पर गंभीर आरोप लगाए और रो–रोकर सरकारी व्यवस्था पर भी सवाल उठाते हुए काफी देर तक हंगामा किया। आरोप लगाया कि हाथ में चोट लगने पर उसने इंजेक्शन लगाने को कहा। इसके बाद उससे मारपीट की गई। उसने मारपीट में आई चोटें भी मीडियाकर्मियों को दिखाईं। इस दौरान अस्पताल परिसर में काफी देर तक गहमा–गहमी होने से पुलिस को भी सूचना दी गई। मौके पर पहुंची रिकाबगंज चौकी की पुलिस मरीज को अपने साथ ले गई। बाद में मरीज के चाचा उसे रेफर कराकर दूसरे अस्पताल ले गए।

प्रभारी निरीक्षक अश्विनी पांडेय ने बताया कि मरीज से मारपीट का मामला संज्ञान में आया है। तहरीर मिलने पर संबंधित के खिलाफ केस दर्ज करके कार्रवाई की जाएगी। कहा कि अस्पताल में कोई भी मरीज अपनी परेशानी लेकर ही भर्ती होता है। ऐसे में चिकित्सक व स्वास्थ्यकर्मियों को उसकी मदद करना चाहिए। किसी भी स्थिति में डायल 112 या स्थानीय पुलिस की सहायता लें, कानून व्यवस्था अपने हाथ में न लें।

बच्चियों से अश्लीलता करने वाले शिक्षक पर गिरी गाज

मैनपुरी, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मैनपुरी में बीएसए दीपिका गुप्ता ने छात्राओं से अश्लीलता करने वाले आरोपी शिक्षक को खंड शिक्षाधिकारी की सूचना पर निलंबित कर दिया है। शिक्षक को निलंबन के साथ ही बीआरसी कुरावली से संबद्ध किया गया है। कुरावली विकास खंड के पूर्व माध्यमिक विद्यालय परमकुटी पर तैनात शिक्षक नरेंद्र कुमार पर वहां की छात्राओं ने अश्लीलता करने के आरोप लगाए हैं। सोमवार को छात्राओं की शिकायत पर शिक्षक को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। जानकारी होते ही बीएसए दीपिका गुप्ता ने शिक्षक की कार्यशैली और मामले में लगे आरोपों की जांच की जिम्मेदारी खंड शिक्षाधिकारी कुरावली माजुद्दीन अंसारी को सौंपी है। माजुद्दीन अंसारी ने बीएसए को जानकारी देते हुए बताया कि शिक्षक नरेंद्र कुमार को छात्राओं से अश्लीलता के मामले में जेल भेजा गया है। बीएसए दीपिका गुप्ता ने खंड शिक्षाधिकारी की सूचना के अनुसार तत्काल शिक्षक नरेंद्र कुमार को निलंबित कर दिया है। बीएसए ने बताया कि शिक्षक को जेल से जमानत आदि मिलने पर बीआरसी कुरावली से संबद्ध रखा जाएगा। मामले में खंड शिक्षाधिकारी घिरोर जमील अहमद को जांच अधिकारी नियुक्त किया गया है। शिक्षक के निलंबन की जानकारी उच्चाधिकारियों के साथ लेखा विभाग को भी भेजी गई है।

वैन समेत नाले में गिरे बच्चों के फेफड़ों में भरा गंदा पानी, सांस लेना हुआ मुश्किल

कानपुर, संवाददाता। सेन पश्चिम पारा के न्यू आजादनगर में सकरापुर मोड़ के पास नाले में पलटी वैन में सवार 12 में छह घायल बच्चों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गल्ला मंडी के पास स्थित निजी अस्पताल में भर्ती तीन बच्चों की हालत ज्यादा गंभीर है। दरअसल, वैन पलटने के बाद बच्चे एक के नीचे एक दब गए। डॉक्टर के मुताबिक जो तीन बच्चे (देवा, साहिल और गुनगुन राजपूत) सबसे नीचे रहे, उनके फेफड़ों में गंदा पानी ज्यादा भर गया। इस कारण उन्हें सांस लेने में तकलीफ होने लगी। इन्हें आईसीयू में भर्ती कर ऑक्सीजन सपोर्ट पर रखा गया है। दलनपुर निवासी राम प्रसाद और मंजू देवी का सात साल का बेटा देवा पीजी का छात्र है। बहन सुमिता का भी इलाज चल रहा है। दलनपुर के दिनेश और शशि का 11 साल का बेटा साहिल गुप्ता कक्षा एक का क्षेत्र है। मजदूरी करने वाले सुनील कुमार और माया राजपूत की बेटी खुशी इसी स्कूल में एलकेजी और गुनगुन पीजी में पढ़ती है। आवास विकास की रहने वाली आकांक्षा गौतम का भी जनरल वार्ड में इलाज चल रहा है। बच्चों का इलाज कर रहे डॉ. योगेंद्र कुमार साहू ने बताया कि नाले में गिरने के कारण बच्चों के फेफड़ों में गंदा पानी चला गया है। इस कारण सभी को सांस लेने में तकलीफ हो रही है।

अचानक वैन नाले में पलट गई, हम सब एक–दूसरे के नीचे दब गए

अंकल...स्कूल की छुट्टी हुई तो हम लोग घर जाने की जल्दी में दौड़कर वैन में बैठे। हमारी सीट पर खुशी सबसे किनारे बैठी, उसके बाद गुनगुन और फिर मैं।

सामने वाली सीट पर सबसे किनारे साहिल और बगल में देवा अपनी बहन सुमिता के साथ बैठा था। कुछ बच्चे ड्राइवर भइया के पास थे। हम लोग रोज की तरह पहले दलनपुर जा रहे थे। अचानक पता नहीं क्या हुआ, वैन पलट गई और हम सब नाले में गिर गए। हमारे स्कूली बैग और बच्चे एक–दूसरे के नीचे दब गए। सांस तक नहीं आ रही थी। मुंह में गंदा पानी जा रहा था। सभी मदद के लिए चिल्लाए। इसके बाद लोगों ने उन्हें बाहर निकाला। आकांक्षा सात साल की है और खुद भी अस्पताल में भर्ती है।

कई अंकल हमें बचाने के लिए नाले में कूद गए

आवास–विकास हंसपुरम निवासी राजेश और जय देवी की चार संतानों में सबसे छोटी आकांक्षा गुरुकुलम खुशियों वाला में पीजी की छात्रा है। आकांक्षा ने बताया कि कई सारे अंकल हम लोगों को बचाने के लिए नाले में उतर गए। एक–एक कर बाहर निकालने लगे। कुछ बच्चे बेहोश हो गए थे। ढेर सारा कीचड़ और घास हमारे कपड़ों में लगी थी। जब बाहर आए तो देखा की स्कूल वाले सर भी आ गए थे। इसके बाद क्या हुआ। उन्हें याद नहीं जब आंख खुली तो मम्मी और अंजली दीदी पास में बैठी थी।

बिजली मीटरों से की छेड़छाड़ तो लैब में खुल जाएगी पोल

अयोध्या, संवाददाता। जुगाड़ से मीटरों को खराब करके बिजली चोरी का प्रयास करने वाले अब सावधान रहें। ऐसे लगभग 400 मीटरों का प्रयोगशाला में परीक्षण कराया जा रहा है। इससे मीटरों से की गई छेड़छाड़ की पोल खुल जाएगी। गड़बड़ी पकड़ में आने पर संबंधित के खिलाफ जुर्माने के साथ विधिक कार्रवाई भी करने की तैयारी है। बीते दिनों बिजली मीटर खराब होने के मामले बढ़े हैं। हाल ही में जिले भर में ऐसे लगभग 400 मीटर बदले गए तो बिजली निगम गंभीर हुआ है। आशंका जताई गई कि गर्मी के दिनों में लोगों ने एसी का खूब मजा लिया और बिल बढ़ता देख मीटर से छेड़छाड़ करके खराब कर दिया गया। इससे मीटर में स्टोर एनर्जी का बिल उन्हें नहीं जमा करना पड़ा, लेकिन बिजली निगम को खूब चपत लगी। इनमें विद्युत वितरण खंड द्वितीय के सर्वाधिक 150 और शहरी क्षेत्र के लगभग 50 उपभोक्ता रहे। शेष मिल्कीपुर व रुदौली क्षेत्र के मामले बताए गए। अब बिजली निगम ऐसे उपभोक्ताओं पर कार्रवाई की तैयारी कर रहा है। अधीक्षण अभियंता रामकुमार ने बताया कि लोग जान–बूझकर मीटर खराब करके आईजीआरएस पर शिकायत भी करते हैं। ऐसे लगभग 400 मीटर जांच के लिए प्रयोगशाला में भेजवाया गया है। सॉफ्टवेयर के जरिए छेड़छाड़ का खुलासा होने व स्टोर एनर्जी की जानकारी मिलने पर तत्काल प्रभाव से संबंधित उपभोक्ताओं से बकाया बिजली बिल जमा कराया जाएगा। साथ ही उनके खिलाफ मुकदमा भी दर्ज कराया जाएगा। इसलिए उपभोक्ताओं से अपील है कि किसी भी संविदाकर्मी, मीटर रीडर आदि के झांसे में न आएं। बिजली मीटरों से छेड़छाड़ न करें और समय पर बकाया बिजली बिल जमा करें।

युवक की दोनों हाथ में तमंचा लिए फोटो वायरल

उन्नाव। सोहरामऊ क्षेत्र के एक युवक का सोशल मीडिया में दोनों हाथ में तमंचा लिए फोटो वायरल हुई है। पुलिस युवक की तलाश कर रही है। सोशल मीडिया पर वायरल फोटो में युवक दोनों हाथों में तमंचा लिए है। पुलिस ने फोटो के आधार पर जांच की तो पता चला कि युवक अनुराग पाल है और वह थानाक्षेत्र के सरांयजोगा का रहने वाला है। युवक गांव के बाहर तिराहे पर होटल चलाता है। ग्रामीणों के अनुसार युवक का करीब आधा दर्जन लड़कों का गैंग है।

मुंह में कपड़ा ठूंसा मजदूर का घर से शव मिला

फतेहपुर, संवाददाता। मजदूर की मंगलवार रात घर में संदिग्ध हालात में मौत हो गई। घटना की सूचना पर बुधवार सुबह पुलिस पहुंची। पुलिस ने मुंह में कपड़ा ठूंसा पाया। वह पत्नी को चार दिन पहले घर लेकर आया था। दोनों के बीच विवाद भी चल रहा था। ललौली थाना क्षेत्र के शंकरपुर गांव निवासी महेश रैदास (26) मजदूरी करता था। पत्नी अरुणा ने बताया कि पति रात करीब 12 बजे घर के पीछे शौच को गए थे। वह सो गई थी। उसकी नींद रात के दूसरे पहर खुली। उसने पति को बरामदे पर खंभे की आड़ में मृत पाया। शोर सुनकर पड़ोस में रहने वाले परिवार के लोग पहुंचे। घटना की सूचना सुबह पुलिस को दी गई। उसके मुंह में कपड़ा ठूंसा हुआ था। ग्रामीणों ने हत्या की आशंका जताई। मजदूर और उसकी पत्नी अरुणा के बीच काफी दिनों से विवाद चल रहा था। वह पत्नी को ससुराल अतरहा गांव से दो साल बाद एक सितंबर को घर लेकर आया था। पड़ोसियों ने बताया कि दंपती के बीच अक्सर विवाद होता रहता था। किसी से अरुणा मोबाइल पर बातचीत करती थी। विरोध करने पर दोनों झगड़ते थे। उसकी एक साल की बेटी अनन्या है। प्रभारी निरीक्षक बच्चेलाल प्रसाद और चौकी इंचार्ज दतौली विद्या प्रकाश सिंह ने महिला से पूछताछ की। पुलिस ने मुंह में ठूंसे कपड़े को सुरक्षित किया है। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद जांच की जाएगी।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।